राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,14फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–22 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेंगलुरु में एशिया का सबसे बड़ा एयरो शो शुरू, पीएम मोदी बोले- ये सिर्फ शो नहीं देश की ताकत है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को बेंगलुरु के येलहंका स्थित वायुसेना स्टेशन में एयरो इंडिया 2023 के 14वें संस्करण का उद्घाटन किया. इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा, देश-विदेश के एग्जिबिटर इसमें अपनी भागीदारी कर रहे हैं. इसने अब तक अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. इसमें भारतीय MSME भी हैं, स्वदेशी स्टार्ट अप भी है और दुनिया की जानी मानी कंपनी भी है.

भारत पर पूरे विश्व का बढ़ा विश्वास-पीएम

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि एयरो इंडिया का यह आयोजन भारत के बढ़ते हुए सामर्थ्य का उदाहरण है. इसमें दुनिया की करीब 100 देशों की मौजूदगी होना दिखाता है कि भारत पर पूरे विश्व का विश्वास कितना बढ़ गया है. वहीं, एयरो इंडिया 2023 के 14वें संस्करण में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे रक्षा क्षेत्र ने कुछ वर्षों में एक लंबी यात्रा तय की है. इस यात्रा में रक्षा क्षेत्र ने सफलता के कई पड़ाव पार किए जो आगे चल कर इस क्षेत्र में मजबूती का स्तंभ बने हैं. एयरो इंडिया भी उन्हीं स्तंभों में से एक है. बता दें कि एयरो इंडिया सैन्य विमानों, हेलीकाप्टरों, रक्षा उपकरणों और नये युग के एवियोनिक्स के निर्माण के लिए देश को एक उभरते हुए केंद्र के रूप में प्रदर्शित करेगा. अधिकारियों ने कहा कि एयरो इंडिया में लगभग 250 बिजनेस-टू-बिजनेस समझौते होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 75 हजार करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त होने का अनुमान है.

एयरो इंडिया के 14वें संस्करण का जानिए क्या है विषय

अधिकारियों ने कहा कि एयरो इंडिया के 14वें संस्करण का विषय द रनवे टू ए बिलियन अपॉर्चुनिटीज है. इसका उद्देश्य एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में देश की क्षमताओं में वृद्धि को प्रदर्शित

कर एक मजबूत और आत्मनिर्भर नये भारत के उदय का प्रचार करना है. प्रदर्शनी में सरकार के मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड विजन के अनुरूप स्वदेशी उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने और विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. शो के दौरान स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान-तेजस, एचटीटी-40, डॉर्नियर लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर और उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर को निर्यात के लिए पेश किया जाएगा.

एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरेगा बेंगलुरु-राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एयरो इंडिया 2023 देश की विनिर्माण क्षमता और पीएम मोदी द्वारा परिकल्पित आत्मनिर्भर भारत को साकार करने की दिशा में हुई प्रगति का उल्लेख करेगा. उन्होंने कहा कि यह आयोजन एयरोस्पेस और विमानन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा. राजनाथ सिंह ने कहा कि एयरो इंडिया भारत में एयरोस्पेस क्षेत्र के विस्तृत विकास में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और रक्षा निर्माण में देश के आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को साकार करने में मदद करेगा. रक्षा मंत्री ने कहा, मुझे विश्वास है कि बेंगलुरु एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरेगा. हमारा उद्देश्य एक जीवंत रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है.

प्रदर्शनी में भाग लेने वाली भारतीय कंपनियों में एमएसएमई और स्टार्टअप शामिल

आयोजन में 80 से अधिक देश शामिल होंगे. इसके अलावा 30 देशों के मंत्री, वैश्विक व भारतीय उपकरण निर्माता कंपनियों के 65 सीईओ भी शो में हिस्सा लेंगे. एयरो इंडिया प्रदर्शनी में 109 विदेशी और 700 से ज्यादा भारतीय कंपनियां भी भाग लेंगी. प्रदर्शनी में भाग लेने वाली भारतीय कंपनियों में एमएसएमई और स्टार्टअप शामिल हैं. बेंगलुरु स्थित अमेरिकी दूतावास की प्रभारी अधिकारी एलिजाबेथ जोंस ने कहा कि इस प्रमुख एयर शो के इतिहास में उनके देश का प्रतिनिधिमंडल अब तक का सबसे बड़ा होगा.

मुजफ्फरनगर में 10500 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, अधिकारियों ने कसी कमर

मुजफ्फरनगर। प्रदेश के मुख्यमंत्री के अगुवाई में राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन 10 फरवरी से 12 फरवरी तक किया है, जिसमें देश और विदेश के नामी गिरामी उद्योगपतियों ने प्रदेश में उद्योग की स्थापना हेतु करोड़ों में निवेश किया है, इससे निश्चित ही प्रदेश में नये उद्योग धन्धे लगेंगे, जिससे प्रदेश के जनपदों को भी लाभ मिलेगा तथा लोगों को रोजगार भी मुहैया होगा। जनपद के मेरठ रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र के कार्यालय पर भी आज ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का धूमधाम से समापन हुआ। डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने मुजफ्फरनगर में समापन किया। मुजफ्फरनगर में भी 10500 करोड रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है। उक्त ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का देश के प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को लखनऊ में ऐतिहासिक शुभारम्भ किया था, जिसका समापन रविवार को लखनऊ में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ-साथ केन्द्रीय जनप्रतिनिधि एवं देश के जाने-माने उद्योगपतियों की उपस्थिति में किया गया।

देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री देश एवं प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से देश एवं विदेश के तमाम उद्योगपतियों को निवेश हेतु आमंत्रित किया गया है। उद्योगपतियों द्वारा अब प्रदेश में एवं जिले में उद्योग की स्थापना की जायेगी, इससे निश्चित ही उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश के साथ ही जिला भी उत्तम जिला बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में निवेश करने वाले उद्यमियों को पूरा सहयोग प्रदान किया जायेगा, जिससे इस जनपद का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सके। विकास उद्योगों के माध्यम से लोगों को रोजगार सृजन के अवसर प्राप्त होंगे। इससे निश्चित ही जिले का विकास होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया जी–20 का शुभारम्भ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जी-20 सम्मेलन का शुभारम्भ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सेंट्रम होटल में आयोजित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का सबसे अच्छा जल संसाधान उत्तर प्रदेश के पास है। सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के नाते सबसे अधिक युवा शक्ति उत्तर प्रदेश के पास मौजूद है। वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया के सभी देशों के साथ मिलकर बड़ी भूमिका निभाने का काम किया है। योगी ने कहा कि प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को हम अनाज उपलब्ध करा रहे हैं। पारदर्शी व्यवस्था के साथ ही नागरिकों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम कर रहे हैं। दो करोड़ सात लाख किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि मिल रही है। प्रदेश के अन्दर एक करोड़ छात्रों को स्कालरशिप प्रदान की जा रही है। डिजिटल तकनीकि आज की आवश्यकता है।युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए टेबलेट व स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का काम हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा मोदी के मार्गदर्शन में देश आगे बढ़ रहा है। वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। जी-20 की अध्यक्षता यह देश के लिए सौभाग्य का क्षण है। जी-20 की यह बैठक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आप आये हैं हम आपका स्वागत करते हैं। जी-20 बैठक वसुधैव कुटुम्बकम की थीम पर आयोजित की जा रही है। जी–20 बैठक में आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल स्किलिंग पर चर्चा होगी। जी-20 देशों की जनसंख्या और जीडीपी भी अच्छी है। यहां भारत सरकार,मेक माय इंडिया,आधार,टेलीकाम व यूपी सरकार के स्टाल लगाये गये हैं। विदेशी मेहमानों को उत्तर प्रदेश सरकार के विकास कार्यों से अवगत कराया जायेगा। इसके बाद डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर कार्यशाला होगी।

कुल 22 शहर मार्च से होंगे स्मार्ट सिटी, अगले तीन-चार महीनों में बाकी 78 शहर भी पूरे कर लेंगे मानक

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय का कहना है कि अगले महीने से वाराणसी, आगरा, रांची, भोपाल, पुणे, अहमदाबाद और चेन्नई समेत देश के 22 महानगरों को स्मार्ट सिटी का दर्जा मिल जाएगा। इन शहरों ने सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के सभी मानकों को पूरा करते हुए अपने नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता का जीवन और स्वच्छ पर्यावरण दिया है।

ये शहर होंगे शामिल

हालांकि इस अभियान के लिए चयनित सौ शहरों में बाकी 78 शहरों की सभी परियोजनाओं को अगले तीन से चार हफ्ते में पूरा कर लिया जाएगा। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि स्मार्ट सिटी के मापदंड के अनुरूप मार्च तक सभी परियोजनाओं को पूरा करने वाले 22 शहरों में आगरा, वाराणसी, रांची, भोपाल, इंदौर, उदयपुर, पुणे, पिम्परी चिंचवाड़, अहमदाबाद, सूरत, चेन्नई, काकीनाड, कोयंबटूर, इरोड, भुवनेश्वर, सलेम, विशाखापत्तनम, वेल्लोर, मदुरई, अमरावती, तिरुचिरापल्ली और तेंजावुर शामिल हैं।

सौ महानगरों का किया गया था चयन

नरेन्द्र मोदी सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 25 जून, 2015 में लांच किया था और चौतरफा विकास करने के लिए देशव्यापी प्रतियोगिता के बाद सौ महानगरों का चयन किया था। इन शहरों को इस विशिष्ट परियोजना में चुने जाने के लिए बाकायदा जनवरी, 2016 से जून, 2018 तक चार दौर की प्रतियोगिता हुई थी। स्मार्ट सिटी घोषित करने के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचे के साथ ही उच्च गुणवत्ता का जीवन और विभिन्न मुद्दों के स्मार्ट समाधान देना जरूरी है।

5246 परियोजनाओं को कर लिया गया पूरा

उल्लेखनीय है कि विगत छह फरवरी को केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्यमंत्री कौशल किशोर ने राज्यसभा में बताया था कि इस साल 27 जनवरी तक सौ स्मार्ट सिटी की 7,804 परियोजनाओं के लिए 1,81,322 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। इसमें से 98,796 करोड़ रुपये की 5246 परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है। केंद्र सरकार ने इस अभियान के लिए कुल 36,447 करोड़ रुपये की रकम जारी की है जिसमें से 32,095 करोड़ रुपये (88 प्रतिशत) योजना पर खर्च किया है।

कर्मपुरा में आधी रात के बाद फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की 27 गाड़ियां काबू पाने में जुटीं

नई दिल्ली। दिल्ली के कर्मपुरा इलाके में मोती नगर थाने के पास स्थित एक फैक्ट्री में रविवार रात भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचीं दमकल की 27 गाड़ियां आग बुझाने के काम में जुटी हैं। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले शनिवार को दिल्ली के करोल बाग इलाके में स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में आग लग गई थी। आग लगने की खबर मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के मुताबिक, रविवार रात तकरीबन

11:40 बजे के आसपास उन्हें आग लगने के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद आग दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने के लिए भेजी गई है अभी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के डिविजनल ऑफिसर अशोक कुमार जायसवाल ने बताया कि हमें गलत सूचना मिली थी आग कर्मपुरा में नहीं बल्कि उसके सामने रामारोड इंडस्ट्रियल एरिया में आग लगी है। 11:40 पर आग लगी थी। आग को फैलने से रोका गया है, लेकिन अब तक आग बुझी नहीं है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझाने का काम जारी है।

बिना लाइसेंस के बेची जा रही दवा, अमेजन-फ्लिपकार्ट समेत 20 ऑनलाइन विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। दवाओं की अवैध ऑनलाइन बिक्री को लेकर अमेजन और फ्लिपकार्ट हेल्थ प्लस समेत 20 ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। भारत के औषधि महानियंत्रक की ओर से यह नोटिस जारी हुआ है। डीसीजीआई वी.जी. सोमानी ने 8 फरवरी को जारी कारण बताओ नोटिस में 12 दिसंबर, 2018 को दिल्ली हाई कोर्ट के एक आदेश का हवाला दिया। यह बिना लाइसेंस के दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाता है। नोटिस के अनुसार, डीसीजीआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक कार्रवाई व अनुपालन के लिए मई और नवंबर, 2019 में आदेश भेजा था। 3 फरवरी को एक बार फिर यह आदेश जारी किया गया।

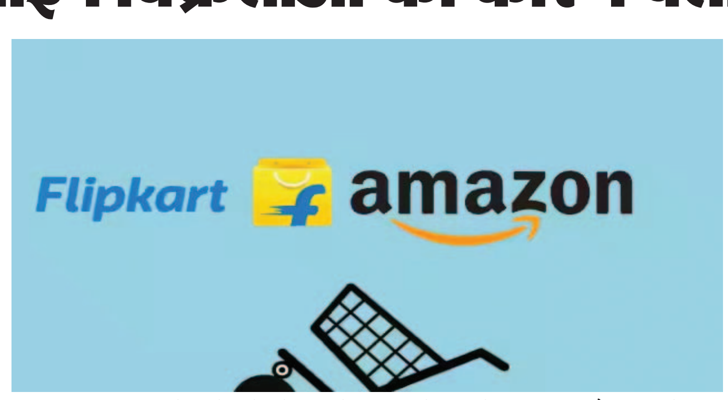

ऑनलाइन दवा विक्रेताओं को नोटिस में कहा गया है, आदेश के बावजूद यह कंपनियां बिना लाइसेंस के इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाई गईं।

2 दिन के अंदर मांगा गया जवाब

नोटिस में कहा गया है, आपको इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 2 दिनों के अंदर कारण बताने के लिए कहा जाता है। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 के प्रावधानों और बनाए गए नियमों के उल्लंघन में दवाओं की बिक्री, स्टॉक, प्रदर्शन या वितरण की पेशकश के लिए आपके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

जानें क्या है नियम

इसमें कहा गया है कि किसी भी दवा की बिक्री या स्टॉक या प्रदर्शन या बिक्री या वितरण की पेशकश के लिए संबंधित राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण से लाइसेंस की आवश्यकता होती है। लाइसेंस धारकों की ओर से लाइसेंस की शर्तों का पालन करना जरूरी होता है। डीसीजीआई ने कहा है कि जवाब नहीं देने की स्थिति में यह माना जाएगा कि कंपनियों के पास इस मामले में कोई जवाब नहीं है। बिना किसी नोटिस के उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जस्टिस नजीर को राज्यपाल बनाए जाने पर बोले कानून मंत्री, भारत किसी की जागीर नहीं, अब संविधान से चलता है, कांग्रेस ने उठाए थे सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस सैयद अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाने जाने पर घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने जस्टिस नजीर की नियुक्ति पर सवाल खड़े किए और पूछा कि न्यायिक व्यवस्था के लोगों को सरकारी पद क्यों दिए जा रहे हैं। पार्टी ने रविवार को कहा कि यह न्यायपालिका के लिए खतरा है। साथ ही केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि जो भी पीएम मोदी के लिए काम करता है उसे राज्यपाल बना दिया जाता है। वहीं, कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- राज्यपाल की नियुक्ति पर एक बार फिर से पूरा इको सिस्टम जोरों पर है। उन्हें बेहतर तरीके से यह समझना चाहिए कि वे अब भारत को अपनी पर्सनल जागीर नहीं समझ सकते। अब भारत संविधान के नियमों के अनुसार चलता है। जस्टिस नजीर 4 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए हैं। 40 दिन बाद ही उन्हें गवर्नर बना दिया गया है। जस्टिस नजीर राम मंदिर पर फैसला देने वाली बेंच में शामिल थे। उन्होंने मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया था।रिटायरमेंट के वक्त जस्टिस नजीर ने कहा था- अगर 9 नवंबर 2019 को आए फैसले में उन्होंने अपनी राय अलग रखी होती तो अपने समुदाय के हीरो बन गए होते, लेकिन जस्टिस नजीर ने समुदाय नहीं, देश के बारे में सोचा था। देश के लिए सब न्योछावर है। इसके अलाव जस्टिस अब्दुल नजीर ट्रिपल तलाक और डिमोनेटाइजेशन जैसे मामलों पर फैसला देने वाली बेंच में भी शामिल रहे हैं।

कांग्रेस ने दिवंगत नेता अरुण जेटली की टिप्पणी के जरिए साधा निशाना

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दिवंगत नेता अरुण जेठली का एक वीडिया ट्वीट किया। 2012 के उस वीडियो अरुण जेठली कह रहे हैं- रिटायर्ड से पहले के फैसले रिटायर्ड के बाद मिलने वाली नौकरियों से प्रभावित होते हैं। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा है। कांग्रेस नेता ने वीडियो के कैप्शन में लिखा- निश्चित रूप से पिछले 3 से 4 सालों में इसके पर्याप्त सबूत हैं।

वहीं, कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघ ने कहा- हम भी इसी भावना को साझा करते हैं, यह न्यायपालिका के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं है। क्योंकि मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानता हूं, लेकिन हम रिटायर्ड के बाद न्यायाधीशों की नियुक्ति के खिलाफ हैं। सिंघवी ने कहा कि भाजपा का यह बचाव कि यह पहले भी हुआ था, कोई बहाना नहीं हो सकता और मुद्दा जस का तस है।

कांग्रेस सांसद बोले- नोटबंदी के पक्ष में फैसला सुनाने वाले अब राज्यपाल

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि अयोध्या, नोटबंदी जैसे मामलों के पक्ष में फैसला सुनाने वाले रिटायर्ड जस्टिस को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उन्होंने ट्वीट किया- जो मोदी आडाणी के लिए काम करते हैं, जो सिर्फ मोदी के लिए काम करते हैं, वे अब राज्यपाल हैं।

भाजपा नेता बीएल संतोष ने कांग्रेस के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिग्रेड ने आजकल एक नई प्रथा को जन्म दिया है- जैसा मै कहूं वैसा करो। भाजपा नेता ने ट्वीट किया- कांग्रेस- वाम और पूरा इको सिस्टम जस्टिस नजीर को राज्यपाल बनाए जाने का विरोध कर रहा है। इको सिस्टम के लिए सबसे बड़ी दिक्कत श्रीराम जन्म भूमि पर फैसला है।

13 राज्यों में गवर्नर बदले, 9 में इसी साल चुनाव–केंद्र सरकार ने रविवार को 13 राज्यों में गवर्नर और उप-राज्यपाल बदले हैं। रमेश बैस महाराष्ट्र के गवर्नर बनाए गए हैं। वे अभी झारखंड के राज्यपाल थे। इसी साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए जस्टिस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का गवर्नर बनाया गया है। रिटायरमेंट के 40 दिन बाद राज्यपाल बनाए गए जस्टिस नजीर राम मंदिर, ट्रिपल तलाक जैसे मामलों में फैसला दे चुकी बेंच में शामिल थे। जिन 13 राज्यों में गवर्नर और उप-राज्यपाल बनाए गए हैं, उनमें से 9 में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नकल पर नकेल

देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और नकल माफिया द्वारा नकल कराकर मोटी कमाई का खेल गाहे-बगाहे उजागर होता रहा है। पिछले दिनों इस कदाचार के खेल ने उत्तराखंड में भी पैर पसारे। पेपर लीक मामला उजागर होने पर कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और वसूली गई रकम भी बरामद हुई। दिन-रात मेहनत करके अच्छी नौकरी के सपने देखने वाले युवा जब परीक्षा लीक के दंश से आहत हुए तो वे आंदोलन को बाध्य हुए। जिसके बाद उत्तराखंड सरकार हरकत में आई और भर्ती परीक्षा लीक व नकल पर रोक लगाने के लिये सख्त कानून बनाया गया है। अब राज्य में भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर परिणाम प्रकाशित करने तक में कदाचार करने वालों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है और उन पर दस करोड़ तक का जुर्माना हो सकता है। इतना ही नहीं, भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति भी जब्त की जायेगी। हाल के दिनों में उत्तराखंड में पेपर लीक मामलों में नकल माफिया व विभाग की काली भेड़ों की संदिग्ध कारगुजारियां उजागर हुई हैं और कई गिरफ्तारियां भी हुई हैं। राज्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति के बाद बेरोजगार युवाओं ने देहरादून की सड़कों पर प्रदर्शन भी किये थे। जिसके बाद एक्शन में आई सरकार उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में नकल की रोकथाम व निवारण के उपाय) नामक अध्यादेश लेकर आई जिसने राज्यपाल की अनुमति के बाद कानून का रूप ले लिया है। इस कानून को देश में सबसे कड़ा नकल रोकथाम कानून बताया जा रहा है। निस्संदेह, प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की बिक्री और मोटा पैसा लेकर नकल कराने के मामले सारे देश में लगातार सामने आते रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसी घटनाएं प्रतियोगियों व बेरोजगार युवाओं का व्यवस्था से मोहभंग करती हैं। कालांतर ये विसंगतियां सामाजिक आक्रोश की वाहक बनती हैं। वहीं देश में बढ़ती बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों के अवसरों में लगातार आ रही कमी, युवाओं में हताशा की वजह बन रही है। देश के नीति-नियंताओं को इस दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए। कहीं न कहीं हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियां भी इसके लिये जिम्मेदार हैं जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार के लिये प्रेरित करने के बजाय सरकारी नौकरियों के सम्मोहन में बांधती हैं। दूसरे, सख्त कानून व कड़े दंड के अभाव में एक माफिया तंत्र पेपर लीक और सामूहिक नकल कराने में लिप्त रहता है। निश्चित रूप से दंड के कड़े प्रावधान किसी हद तक ऐसी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में सफल होंगे। लेकिन इस कानून के तहत कार्रवाई में पारदर्शिता भी जरूरी है ताकि बड़ी मछलियां भी जाल में फंसें। साथ ही ऐसी कार्रवाई से दागियों को बचाने के लिये किसी तरह के राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश न रहे। अन्यथा धीरे-धीरे प्रतियोगी परीक्षाओं के तंत्र से बेरोजगारों व युवाओं का भरोसा ही उठ जायेगा। जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिये अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। उत्तराखंड सरकार की पहल स्वागत योग्य है और अन्य राज्यों को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए।

योग के परमाचार्य : परमहंस निरंजनानंद सरस्वती

एक से एक प्रामाणिक, वैज्ञानिक योग ग्रंथों का प्रकाशन हुआ। बीसवीं सदी में योग का जो पुनर्जागरण होना था बिहार योग विद्यालय उसका केन्द्र बन गया और स्वामीसत्यानंद सूत्रधार। दुनिया का शायद ही कोई ऐसा महाद्वीप होगा जहां स्वामी सत्यानंद ने योग का बीज न बोया हो। अरब से लेकर अमरीका तक। अफ्रीका से लेकर आस्ट्रेलिया तक। स्वामी शिवानंद का परिव्राजक सन्यासी पूरी दुनिया में घूम घूम कर योग का बीज बो रहा था, जो आगे चल कर पुष्पित और पल्लवित होने वाला था। लेकिन, एक तरफ जहां वे वर्तमान की जमीन पर योग बीज रोपित कर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ, भविष्य में इसके रख रखाव की योजना पर भी काम कर रहे थे, ताकि फूल खिलने से पहले मुरझा न जाए।

(लेखक- कुमार कृष्णन)

- जन्मदिन 14 फरवरी पर विशेष

बात 1956 की है। स्वामी सत्यानंद ऋषिकेश स्थित स्वामी शिवानंद के आश्रम में रह रहे थे। उन्होंने स्वामी सत्यानंद को अपने पास बुलाया और कहा कि आपके जाने का समय आ गया है। जाओ। दुनिया में परिव्राजक की तरह घूमो। दुनिया को योग सिखाओ। स्वामी सत्यानंद संसार भ्रमण के लिए निकल पड़े। 1963 तक वह परिव्राजक की तरह भ्रमण करते रहे। स्वामी सत्यानंद को वे बीस साल मिले और इस अवधि में दुनिया को सत्यानंद के जरिए योग मिला। इन्हीं बीस सालों में मुंगेर में बिहार योग विद्यालय की स्थापना हुई, जहां से निकल कर सत्यानंद पूरी दुनिया में जाते थे, और पूरी दुनिया से निकल कर लोग बिहार योग विद्यालय आते रहे। एक से एक प्रामाणिक, वैज्ञानिक योग ग्रंथों का प्रकाशन हुआ। बीसवीं सदी में योग का जो पुनर्जागरण होना था बिहार योग विद्यालय उसका केन्द्र बन गया और स्वामीसत्यानंद सूत्रधार। दुनिया का शायद ही कोई ऐसा महाद्वीप होगा जहां स्वामी सत्यानंद ने योग का बीज न बोया हो। अरब से लेकर अमरीका तक। अफ्रीका से लेकर आस्ट्रेलिया तक। स्वामी शिवानंद का परिव्राजक सन्यासी पूरी दुनिया में घूम घूम कर योग का बीज बो रहा था, जो आगे चल कर पुष्पित और पल्लवित होने वाला था। लेकिन, एक तरफ जहां वे वर्तमान की जमीन पर योग बीज रोपित कर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ, भविष्य में इसके रख रखाव की योजना पर भी काम कर रहे थे, ताकि फूल खिलने से पहले मुरझा न जाए। यह कोई दस-बीस साल का मामला नहीं था। अब तो यह शताब्दियों का मामला है। एक पवित्र परंपरा के पुनर्जागरण काल में सिर्फ वर्तमान नहीं होता। उसका अपना एक भविष्य होता है, और उस भविष्य की अपनी एक योजना भी। चार साल के स्वामी निरंजन इसी दैवीय योजनाका हिस्सा होकर बिहार स्कूल आफ योगा पहुंचे थे।

1964 बिहार स्कूल आफ योगा और स्वामी निरंजन दोनों के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण साल है। इसी साल मुंगेर में बिहार योग विद्यालय की स्थापना हुई और इसी साल चार साल के निरंजन योग विद्यालय में प्रविष्ट हुए। छत्तीसगढ़ के राजनादगांव में 14 फरबरी 1960 को जन्मे स्वामी निरंजनानंद की जीवन दिशा उनके गुरु स्वामी सत्यानंद द्वारा निर्देशित रही। यहां उन्हें गुरु ने योगनिद्रा के माध्यम से योग और आध्यात्म का प्रशिक्षण दिया। कम उम्र में ही वे इतने योग्य हो चुके थे कि सन् 1971 में स्वामी सत्यानंद ने उन्हें दशनामी सन्यास परंपरा में दीक्षित करने के बाद काम पर लगा दिया। उन्हें विदेशों में योग केन्द्रों की स्थापना करनी थी। जहां योग केन्द्र स्थापित हो चुके थे उनके संचालन को भी सुनिश्चित करना था। उन्हें न सिर्फ योग समझाना था, बल्कि दुनिया की विविध संस्कृतियों को समझना भी था। सांस्कृतिक एकता के यौगिक सूत्रों की खोज करनी थी। अमेरिका से लेकर आस्ट्रेलिया तक। वहां उन्होंने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित डॉ जो. कामिया के साथ विशेष तौर पर ध्यान और प्राणायाम के क्षेत्र में अनुसंधान का काम किया। सैनफ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया के ग्लैडमैन मेमोरियल सेंटर के जापानी डॉ टॉडमिकुरिया ने उन पर ध्यान संबधी शोध किए। जिस समय स्वामी निरंजनानंद विदेश के लिए निकले, उस समय स्वामी सत्यानंद के योग आंदोलन के परिणामस्वरूप केवल फ्रांस में 77 हजार पंजीकृत योग शिक्षक थे। उस समय के लिए यह बहुत बड़ी तादाद थी। उन दिनों वे सिर्फ इन योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करते थे, ताकि वे अपने स्कूलों में लौट कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सकें। बाद में यह आंदोलन रिसर्च ऑन योगा इन एड्यूकेशन के नाम से पूरी दुनिया में फैल गया। यूरोप में इन आंदोलन का सूत्रपात पेरिस की स्वामी योग भक्ति और कैनेडा में स्वामी अरुन्धती ने आरंभ किया गया। इस आंदोलन का नाम योगा एड्यूकेशन इन स्कूल रखा गया। यह आंदोलन उत्तर तथा दक्षिण अमेरिका में काफी लोकप्रिय हुआ। इसके परिणाम स्वरूप अनेक देशों की शिक्षा पद्धति में मुंगेर के योग को शामिल किया गया। निरंजनानंद सरस्वती ने 11 वर्षों तक, यानी 1983 तक यानी यह सब किया। तेईस साल की उम्र में यह काम पूरा कर वह मुंगेर वापस लौट आये। सामान्य तौर पर इस उम्र में कोई नौजवान घर के बाहर कदम रखता है। भारत लौट कर वे बिहार योग विद्यालय, शिवानंद मठ और योग संस्थान की गतिविधियों के संचालन में संलग्न हो गए। सन् 1990 में वे सन्यास परंपरा में दीक्षित हुए।1993 में सन्यास परंपरा की मार्तण्ड विभूतियों द्वारा स्वामी सत्यानंदजी के उत्तराधिकारी के रूप में अभिषिक्त हुए। सन् 1995 के शतचंडी महायज्ञ में स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने आध्यात्मिक शक्ति उन्हें हस्तांतरित कर, परंपरा के गुरु और परमाचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया। इस बीच स्वामी निरंजनानंद ने अथक परिश्रम से बिहार योग विद्यालय को विश्व विद्यालय की प्रतिष्ठा तक पहुँचाया। स्वामी सत्यानंद द्वारा बोये गये योग की फसल की निकाई-गोराई भी एक माली की तरह करते रहे हैं। सन् 1993 के विश्व योग सम्मेलन के बाद गंगा दर्शन में बाल योग मित्र मंडल की स्थापना की गयी। इसका आरंभ मुंगेर के सात छोटे बच्चों से किया गया और आज मुंगेर शहर में ही बाल योग मित्रमंडल 5000 से अधिक प्रशिक्षित बच्चे योग शिक्षक हैं। मुंगेर में यह तादाद 35 हजार और पूरे भारत में 1,50000 है। स्वामी निरंजनानंद सरस्वती कहते हैं— 'वाल योग मित्रमंडल को तीन लक्ष्य दिए हैं — योग के द्वारा संस्कार प्राप्त करना, योग के द्वारा ऐसी प्रतिभा को प्राप्त करना जिससे बिना किसी पर आश्रित रहे अपना जीवन चला सके और योग को आधार बनाकर अपने जीवन को संस्कृति से युक्त कर सके। संस्कार, स्वावलंवन, संस्कृति और राष्ट्र प्रेम यही वाल योग मित्रमंडल के लक्ष्य हैं।' इन बच्चों ने तीन आसनों, दो प्राणायामों, शिथिलीकरण एवं धारणा के एक—एक अभ्यास का चयन किया। यह प्रयोग सात सौ बच्चों पर किया गया और उसकी रचनात्मकता, व्यवहार और व्यक्तिगत अनुशासन पर हुए असर की जांच की गयी तो इसमें गुणात्मक परिवर्तन पाया गया। इन बच्चों को न सिर्फ योग की शिक्षा दी जाती है, बल्कि कराटे, आधुनिक नृत्य, मंत्रोच्चार, स्पोकेन इंगलिस की भी शिक्षा दी जाती है। दरअसल में स्वामी सत्यानंद सरस्वती का स्पष्ट दृष्टिकोण था कि यदि हम बच्चों तक पहुंच पाते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता और प्रतिभा में सुधार ला पाते हैं, तो वे अपनी रचनात्मकता का अधिकतम उपयोग कर अपने भावी जीवन के तनावों और संघर्षों का सामना बेहतर ढंग से कर पाएंगे। ये बच्चे जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय योग मिशन के प्रमुख अंग बन गये हैं।

तात्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम दो बार मुंगेर बच्चों के कार्यक्रम में भाग लेने आए ।उन्होंने मुंगेर को योग नगरी की संज्ञा दी। स्वप्रेरणा से दूसरी बार बिहार योग विद्यालय के परिसर में पधारे बिहार के तात्कालीन राज्यपाल रामनाथ कोविन्द ने अपने उद्गार में कहा था कि ' मुंगेर न केवल भारत की योग नगरी है बल्कि पूरे विश्व की योग की राजधानी है। इसमें ताकत है और वह ताकत इसलिए यहां हैं क्योंकि यहां की जो साकारात्मकता है वही सब को यहाँ खिंच लती है। ये जो योग शिक्षक यहां से निकल रहे हैं, ये जो बच्चे और बच्चियां हैं, शायद ये लोग योग के संवाहक और बिहार की जो साकारात्मक छवि है उसके लिए संवाहक बन सकते हैं।'

आज का राशिफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

गुरु राम दास नवमी

(लेखक : विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(14 फरवरी) (अमृतसर शहर के निर्माणकर्ता)

राम दास या गुरू राम दास सिखों के गुरु थे और उन्हें गुरु की उपाधि 9 सितंबर 1574 (इस में एकमत नहीं है कहीं एक सितंबर तो कहीं अलग-अलग तारीख बताई जा रही है) को दी गयी थी। उन दिनों जब विदेशी आक्रमणकारी एक शहर के बाद दूसरा शहर तबाह कर रहे थे, तब चौथे नानक गुरू राम दास जी महाराज ने एक पवित्र शहर रामसर, जो कि अब अमृतसर के नाम से जाना जाता है, का निर्माण किया। गुरू राम दास (जेठा जी) का जन्म चूना मण्डी, लाहौर (अब पाकिस्तान में) में कार्तिक वदी 2, (25वां आसू) सम्वत 1591 (24 सितम्बर 1534) को हुआ था। माता दया कौर जी (अनूप कौर जी) एवं बाबा हरी दास जी सोढी खत्री का यह पुत्र बहुत ही सुंदर एवं आकर्षक था। राम दास जी का परिवार बहुत गरीब था। उन्हें उबले हुए चने बेच कर अपनी रोजी रोटी कमानी पड़ती थी। जब वे मात्र 7 वर्ष के थे, उनके माता पिता की मृत्यु हो गयी। उनकी नानी उन्हें अपने साथ बसर्के गाँव ले आयी। उन्होंने बसर्के में 5 वर्षों तक उबले हुए चने बेच कर अपना जीवन यापन किया। एक बार गुरू अमर दास साहिब जी, रामदास साहिब जी की नानी के साथ उनके दादा की मृत्यु पर बसर्के आये और उन्हें राम दास साहिब से एक गहरा लगाव सा हो गया। रामदास जी अपनी नानी के साथ गोइन्दवाल आ गये एवं वहीं बस गये। यहाँ भी वे अपनी रोजी रोटी के लिए उबले चने बेचने लगे एवं साथ ही साथ गुरू अमरदास साहिब जी द्वारा धार्मिक संगतों में भी भाग लेने लगे। उन्होंने गोइन्दवाल साहिब के निर्माण की सेवा की।

रामदास साहिब जी का विवाह गुरू अमरदास साहिब जी की पुत्री बीबी भानी जी के साथ हो गया। उनके यहाँ तीन पुत्रों -1. पृथी चन्द जी, 2. महादेव जी एवं 3. अरजन साहिब जी ने जन्म लिया। शादी के पश्चात रामदास जी गुरु अमरदास जी के पास रहते हुए गुरु घर की सेवा करने लगे। वे गुरु अमरदास साहिब जी के अति प्रिय व विश्वासपात्र सिक्ख थे। वे भारत के विभिन्न भागों में लम्बे धार्मिक प्रवासों के दौरान गुरु अमरदास जी के साथ ही रहते।

गुरू रामदास जी एक बहुत ही उच्च वरीयता वाले व्यक्ति थे। वो अपनी भक्ति एवं सेवा के लिए बहुत प्रसिद्ध हो गये थे। गुरू अमरदास साहिब जी ने उन्हें हर पहलू में गुरू बनने के योग्य पाया एवं 10 सितम्बर 1574 को उन्हें चतुर्थ नानक के रूप में स्थापित किया। गुरू रामदास जी ने ही चक रामदास या रामदासपुर की नींव रखी जो कि बाद में अमृतसर कहलाया। इस उद्देश्य के लिए गुरू साहिब ने तुंग, गिलवाली एवं गुमताला गांवों के जमींदारों से संतोखसर सरोवर खुदवाने के लिए जमीनें खरीदी। बाद में उन्होने संतोखसर का काम बन्द कर अपना पूरा ध्यान अमृतसर सरोवर खुदवाने में लगा दिया। इस कार्य की देख रेख करने के लिए भाई सहलो जी एवं बाबा बूढा जी को नियुक्त किया गया।

जल्द ही नया शहर (चक रामदासपुर) अन्तराष्ट्रीय व्यापार का केन्द्र होने की वजह से चमकने लगा। यह शहर व्यापारिक दृष्टि से लाहौर की ही तरह महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया। गुरू रामदास साहिब जी ने स्वयं विभिन्न व्यापारों से सम्बन्धित व्यापारियों को इस शहर में आमंत्रित किया। यह कदम सामरिक दृष्टि से बहुत लाभकारी सिद्ध हुआ। यहाँ सिक्खों के लिए भजन-बन्दगी का स्थान बनाया गया। इस प्रकार एक विलक्षण सिक्ख पंथ के लिए नवीन मार्ग तैयार हुआ। गुरू रामदास साहिब जी ने मंजी पद्धति का संवर्द्धन करते हुए मसंद पद्धति का शुभारम्भ किया। यह कदम सिक्ख धर्म की प्रगति में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

गुरू रामदास साहिब जी ने सिख धर्म को आनन्द कारज के लिए चार लावों (फेरों) की रचना की और सरल विवाह की गुरमत मर्यादा को समाज के सामने रखा। इस प्रकार उन्होने सिक्ख पंथ के लिए एक विलक्षण वैवाहिक पद्धति दी। इस प्रकार इस भिन्न वैवाहिक पद्धति ने समाज को रूढिवादी परम्पराओं से दूर किया। बाबा श्रीचंद जी के उदासी संतों व अन्य मतावलम्बियों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किये। गुरू साहिब जी ने अपने गुरूओं द्वारा प्रदत्त गुरू का लंगर प्रथा को आगे बढाया। अन्धविश्वास, वर्ण व्यवस्था आदि कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया गया।

उन्होंने 30 रागों में 638 शबद् लिखे जिनमें 246 पौउड़ी, 138 श्लोक, 31 अष्टपदी और 8 वारां हैं और इन सब को गुरू ग्रन्थ साहिब जी में अंकित किया गया है। उन्होंने अपने सबसे छोटे पुत्र अरजन साहिब को पंचम नानक के रूप में स्थापित किया। इसके पश्चात वे अमृतसर छोड़कर गोइन्दवाल चले गये। भादौं सुदी 3 (2 आसू) सम्वत 1638 (1 सितम्बर 1581) को ज्योति जोत समा गए।

दादी की उस एक सीख ने जीवन हीरा बना दिया

हीराबाई लोबी, सामाजिक कार्यकर्ता

आजादी के बीते साढ़े सात दशक में हमारे मुल्क ने कितना लंबा सफर तय किया है, इसकी मुनादी देश के शिखर पदों पर अल्पसंख्यक और वंचित तबकों के लोगों की नियुक्तियां तो करती ही हैं, स्थानीय सरकारों में इनकी बढ़ती ताकत और हैसियत भी इसकी तस्दीक करती है। लेकिन इनसे परे भी कुछ नाम हैं, जो भारतीय गणतंत्र की बुलंदी को प्रतिबिंबित करते हैं। ऐसा ही एक नाम हीराबाई लोबी है। इस बार जब गणतंत्र दिवस के मौके पर नागरिक सम्मानों का एलान किया जा रहा था, तब उनमें एक नाम हीराबाई का भी था। औपनिवेशिक काल में उनके पुरखे पुर्तगालियों व अरबों द्वारा नाइजीरिया से गुलाम बनाकर भारत लाए गए थे। वैसे ही, जैसे अंग्रेजों द्वारा हमारे पुरखों को अन्य देशों में ले जाया गया था। हीराबाई जिस सीदी समुदाय से आती हैं, वह इस्लाम में अपनी आस्था रखता है और यह जनजातीय समुदाय गुजरात के जूनागढ़ में गिर के इलाके में बसे गांवों में रहता है। आज से 63 साल पहले हीरा मधुपुर जंबूर गांव में पैदा हुईं। इनका बचपन बहुत गरीबी में बीता। मगर चूंकि पूरा गांव ही तब फूस के घरों में गुरबत को ओढ़ता-बिछाया करता था, इसलिए उसमें विषमता के दंश की पीड़ा आज जितनी नहीं थी। हां! छुटपन में एक कमी जरूर हीरा को सालती रही। जब वह बहुत छोटी थीं, तभी माता-पिता, दोनों का साया उनके सिर से उठ गया था। दादी ने उनकी निगहबानी की और उन्हें अपने कलेजे से लगाया। चूंकि यह वह दौर था, जब शहराती घरों की बेटियों के लिए ही स्कूल या पढ़ाई-लिखाई काफी मुश्किल थी, तो सुदूर गांवों और जनजातीय समुदायों में इनकी अहमियत कौन समझता-समझाता? अलबत्ता, दादी को खेतों में मजदूरी करते देख हीरा के भीतर श्रम का महत्व स्थापित होता गया। वैसे तो, आजादी के बाद भारत सरकार ने अनुसूचित जनजाति के लोगों को खेती के लिए जमीनें आवंटित की थीं, मगर उनमें से कई लोगों ने उसे बेच दिया था, तब सरकार को ही उनके संरक्षण के लिए आगे आकर कानून बनाना पड़ा कि आदिवासियों की जमीन कोई और नहीं खरीद सकता। मगर जैसे-जैसे कुनबा बढ़ा, तो जमीनें भी कम पड़ती गईं और पेट भरने के लिए खेती के अलावा भी दूसरे रोजगारों की दरकार महसूस होने लगी थी। बजरिये रेडियो शहरी चकाचौंध की कहानियां जब गांवों में पहुंचीं, तो उनके बाशिंदों की भी आकांक्षाएं बढ़ीं। इस बीच हीरा का निकाह हो चुका था, और वह तीन बच्चों की मां बन चुकी थीं। जाहिर है, बच्चों के मुस्तकबिल को लेकर उनकी भी फिक्र बढ़ रही थी। हीराबाई ने अपने पति को साफ कह दिया था कि कोई भी कर्ज चुकाने के लिए वह खेत बेचने के बारे में भूलकर भी न सोचें, बल्कि कुछ ऐसा सोचें, जिससे कुछ अतिरिक्त आमदनी हो सके।

उन दिनों रेडियो पर खेती-किसानी से जुड़े कार्यक्रम प्रमुखता से प्रसारित हुआ करते थे। हीरा उन्हें बिना नागा सुना करतीं और उनमें बताए गए नुस्खे वह अपने खेतों में आजमाने लगीं। देखते-देखते ही वह उस स्थिति में पहुंच गईं, जब उनका परिवार पूरी तरह कर्जमुक्त हो गया। दरअसल, दादी का एक फलसफा हर मोड़ पर उनका मार्गदर्शन करता रहा। उन्होंने हीरा को एक बीजमंत्र दिया था, दुख में रोना नहीं और सुख देखकर रुकना नहीं। कर्ज से मुक्ति ने हीराबाई का आत्म-विश्वास बढ़ा दिया था। अब वह कुछ बड़ा करना चाहती थीं। वह जब भी खेतों में काम करने जातीं, तो वहां अक्सर गांव की औरतों की दुख-दर्द भरी कहानियां सुनती थीं। मर्द आपस में लड़ाई-झगड़ा करते और मामला पुलिस-कचहरी तक पहुंच जाता था। ऐसे में, मुश्किलें दोनों पक्षों की औरतों को उठानी पड़तीं। हीरा कई बार सोचतीं कि कुछ ऐसा होना चाहिए, जिससे औरतें खुदमुख्तार हो सकें। यही वह समय था, जब उन्होंने जैविक खाद बनाने के लिए बैंक से कर्ज लिया। हालांकि, हीराबाई के इस फैसले में समुदाय के पुरुषों की रजामंदी शामिल नहीं थी, लेकिन सीदी महिलाओं ने उनका पूरा साथ दिया। जिस लगन और दृढ़ता के साथ हीरा ने काम शुरू किया था, उन्हें कामयाब होना ही था। उनका वर्मीकंपोस्ट निर्माण समूह आज सालाना सात लाख रुपये से अधिक की खाद बेचता है। हीराबाई की इस सफलता ने उन्हें न सिर्फ मधुपुर जंबूर में स्थापित कर दिया, बल्कि पूरे सीदी समुदाय में उनका रुतबा बढ़ा दिया। उन्होंने गांव के लोगों को प्रेरित किया कि वे खेतिहर मजदूरी के अलावा भी छोटा-मोटा अपना काम शुरू करें। उनकी प्रेरणा से कई गांव वाले जैविक खाद व नीम के तेल बनाने लगे, कुछ लोगों ने फल-सब्जियों का काम शुरू किया, तो कुछ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से जुड़े। अभाव की रात ढलने लगी थी, मगर गांव की नई नस्लों के लिए ज्ञान की रोशनी बहुत जरूरी थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के कारण पड़े दबाव से बिकवाली हावी होने से आई है। आज कारोबार के दौरान सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गयी। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का माहौल रहा जबकि आईटी, रियल्टी और बैंकिंग शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। वाहन , दवा और उर्जा कंपनियें के शेयरों में भी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 250.86 अंक करीब 0.41 फीसदी के गिरावट के साथ ही 60,431.84 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 85.60 अंक तकरीबन 0.48 फीसदी नीचे आकर 17,770.90 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई।निवेशकों पर वै श्विक बाजार का दबाव तो है, लेकिन उनका सेंटिमेंट पॉजिटिव नजर आ रहा है। यही कारण है कि बाजार खुलने के बाद काफी देर तक मामूली नुकसान पर टिका रहा, लेकिन बाद में गिरावट बढ़ती चली गई। सेंसेक्स 30 अंक गिरकर 60,653 पर खुला और कारोबार शुरू किया, जबकि निफ्टी 2 अंक लुढ़ककर 17,859 पर खुला और कारोबार की शुरुआत हुई। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बाद भी इक्विटी म्यूचुअल फंड में अब तक 12,546 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इसका प्रमुख कारण नियमित अंतराल पर किए जाने वाले निवेश यानी एसआईपी के प्रति लोगों का आकर्षण है। शुद्ध रूप से यह निवेश चार महीने में सबसे अधिक है। इससे पहले, दिसंबर में 7,303 करोड़ रुपये, नवंबर में 2,258 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 9,390 करोड़ रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड में लगे थे। वहीं सितंबर में 14,100 करोड़ रुपये लगे थे। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट फायदे में रहा।

एनसीएलटी ने यस बैंक की याचिका स्वीकार की

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने निजी क्षेत्र के यस बैंक की याचिका पर जी लर्न के खिलाफ दिवाला कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। यस बैंक लिमिटेड का कहना है कि एस्सल समूह की कंपनी ने उसका 468.99 करोड़ रुपए का कर्ज नहीं चुकाया है। इसमें से 410.67 करोड़ रुपए मूल राशि और 58.32 करोड़ रुपए का ब्याज शामिल है। जी लर्न दो अगस्त, 2021 को यस बैंक का कर्ज चुकाने से चूकी थी। मुंबई एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि वित्तीय ऋणदाता यस बैंक ने जो आवेदन दिया है वह कानून की दृष्टि से पूरी तरह से ठीक है। इससे पता चलता है कि जी लर्न ने कर्ज चुकाने में चूक की है। यस बैंक ने पिछले साल एनसीएलटी में अपील की थी। जी लर्न को इस याचिका पर 25 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था।

एफटी की बिजनेस स्कूलों की रैकिंग में आईएसबी नंबर वन

हैदराबाद । फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) ग्लोबल एमबीए-2023 रैंकिंग में भारतीय बिजनेस स्कूलों में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) शीर्ष पर रहा है। हालांकि, इस वैश्विक सूची में आईएसबी इस साल 32वें स्थान से फिसलकर 39वें स्थान पर आ गया है। वैश्विक रैंकिंग में अहमदाबाद, बेंगलुरु, कलकत्ता, इंदौर और लखनऊ के भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) को भी जगह मिली है। इस साल रैंकिंग में आईआईएम-अहमदाबाद की स्थिति सुधरी है और वह 2022 के 62वें से 51वें स्थान पर आ गया है। हालांकि, जब देश के बिजनेस स्कूलों (बी-स्कूल) की बात आती है, तो आईएसबी पहले स्थान पर कायम है। वैश्विक स्तर पर बिजनेस स्कूलों में आईएसबी शीर्ष 50 में शामिल एकमात्र भारतीय बिजनेस स्कूल है। एशिया में यह छठे स्थान पर है।

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू स्टील का जनवरी माह का कच्चे इस्पात का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 18.91 लाख टन पर पहुंच गया। जनवरी, 2022 में कंपनी का उत्पादन 16.46 लाख टन रहा था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि एकल आधार पर जनवरी, 2023 में उसका कच्चे इस्पात का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 18.91 लाख टन पर पहुंच गया। जनवरी, 2023 में कंपनी का क्षमता इस्तेमाल 99 प्रतिशत रहा, जो जनवरी, 2022 में 96 प्रतिशत था।

अडानी की कंपनियों के शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली । अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में सोमवार को गिरावट का सिलसिला जारी रहा। समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर चार प्रतिशत से अधिक टूट गया। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने समूह की चार कंपनियों के परिदृश्य को स्थिर से नकारात्मक कर दिया है। इसका असर सुबह के कारोबार में समूह की कंपनियों पर दिखा। बीएसई पर अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर सुबह के कारोबार में 4.32 प्रतिशत के नुकसान से 1,767.60 रुपए पर आ गया। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन 2.56 प्रतिशत के नुकसान से 568.90 रुपए पर कारोबार कर रहा था। समूह की कई कंपनियों के शेयर अपने निचले सर्किट को छू गए। अडानी पावर 156.10 रुपए पर, अडानी ट्रांसमिशन 1,126.85 रुपए पर, अडानी ग्रीन एनर्जी 687.75 रुपए पर और अडानी टोटल गैस 1,195.35 रुपए पर आ गया। इन सभी शेयरों में पांच-पांच प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर अंबुजा सीमेंट्स 3.34 प्रतिशत टूटकर 349 रुपए, अडानी विल्मर 3.31 प्रतिशत टूटकर 421.65 रुपए, एनडीटीवी 2.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 203.95 रुपए पर आ गया। एसीसी का शेयर 1.49 प्रतिशत के नुकसान से 1,853 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

रेनो और निसान 5,300 करोड़ का निवेश करेगी

चेन्नई। फ्रांस की वाहन कंपनी रेनो और जापान मुख्यालय वाली निसान ने अगले 15 साल में देश में 60 करोड़ डॉलर (5,300 करोड़ रुपए) के निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी तमिलनाडु के वाहन बाजार में उतर गई है। निसान के वैश्विक मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) और अलायंस बोर्ड के सदस्य अश्विनी गुप्ता ने कहा कि नए दौर के निवेश के साथ दोनों कंपनियां छह नए मॉडल उतारेंगी। इनमें दो इलेक्ट्रिक मॉडल होंगे। अभी दोनों कंपनियां यहां से 45 किलोमीटर दूर ओरागदम के चेन्नई कारखाने में चार मॉडलों का उत्पादन करती हैं। रेनो-निसान का विनिर्माण संयंत्र 2025 तक कॉर्बन निरपेक्ष हो जाएगा। यहां सिर्फ नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल होगा।

अडानी ग्रुप कारोबार बढ़ाने के बजाय कर्ज चुकाने पर करेगा फोकस

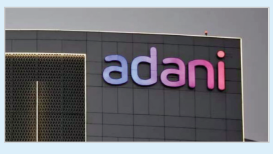

नई दिल्ली । अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप की मार्केट वैल्यू को 120 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है। जिसके बाद अडानी ग्रुप अपने रेवेन्यू ग्रोथ टारगेट कम करने और कैपेक्स में कटौती करने की योजना बना रहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप ने अगले वित्तीय वर्ष में 40 फीसदी ग्रोथ का अनुमान जताया था लेकिन अब इसे घटाकर 15 से 20 फीसदी किया जा सकता है। साथ ही कैपिटल एक्सपेंडीचर प्लान में भी कटौती करने की योजना है। ग्रुप आक्रामक तरीके से अपना कारोबार फैला रहा था लेकिन हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने उसकी साख को बट्टा लगा दिया है। गौतम अडानी की अगुवाई वाला यह ग्रुप अब अपनी फाइनेंशियल हेल्थ को दुरुस्त करने में जुटा है। रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप का फोकस अब कैश बचाने, कर्ज के भुगतान और गिरवी रखे शेयरों को छुड़ाने पर होगा। हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडानी ग्रुप के बारे में एक निगेटिव रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अडानी ग्रुप ने शेयरों के साथ छेड़छाड़ की है। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया है। लेकिन इस रिपोर्ट के आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई है। कई शेयर तो 52 हफ्ते के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गए हैं। यही वजह है कि अडानी ग्रुप अब डैमेज कंट्रोल में जुटा है।

एस्सार ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन ने अब तक का सर्वाधिक राजस्व और ईबीआईडीटीए हासिल किया

मुंबई।

अपरंपरागत हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में अग्रणी एस्सार ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड (ईओजीईपीएल) ने सोमवार को 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए अपने परिणामों की घोषणा की।कंपनी को वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में 219 करोड़ रुपये के उच्चतम तिमाही राजस्व प्राप्त हुआ है। इसमें 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त तिमाही में, ईओजीईपीएल का ईबीआईडीटीए साल-दर-साल आधार पर 100 प्रतिशत बढ़कर 171 करोड़ रुपये हो गया और इसका पीएटी (प्रोफिट आफ्टर टैक्स) पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 273 प्रतिशत बढ़कर 97 करोड़ रुपये हो गया। नौ महीने की वित्त वर्ष 2023 अवधि में, कंपनी ने 696 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त किया, जो कि साल-दर-साल आधार पर 113 प्रतिशत से अधिक है। इसका ईबीआईडीटीए 552 करोड़ रुपये है जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 228 फीसदी अधिक है। कंपनी ने पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही में दर्ज 11 करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में अब तक का सर्वाधिक 284 करोड़ रुपये का पीएटी पोस्ट किया। एस्सार ने 80 प्रतिशत का ईबीआईडीटीए मार्जिन हासिल किया, वित्त वर्ष 2023 के दिसंबर में परिचालन लागत और आंतरिक खपत में कमी के कारण 27 प्रतिशत का सुधार देखा गया। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एस्सार कैपिटल और ईओजीईपीएल के निदेशक प्रशांत रुइया ने कहा, एस्सार का लक्ष्य कार्बन पदचिह्न को कम करने के भारत के दृष्टिकोण में भाग लेना और उद्योगों को किफायती कीमतों पर वैकल्पिक स्वच्छ ईंधन प्रदान करना है। हम भारत के गैस उत्पादन को बढ़ाकर अगले दशक में गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनने में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईओजीईपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पंकज कालरा ने कहा, मेरी टीम ने गैस उत्पादन में तेजी लाने और आंतरिक खपत में 12 प्रतिशत की कमी के साथ मजबूत परिचालन प्रदर्शन देने में उत्कृष्ट काम किया है।

कंपनी क्षेत्र के उन्नयन और आंतरिक खपत में और कमी की प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखे हुए है जो लागत के समग्र युक्तिकरण के रूप में कार्य करेगा और साथ ही कंपनी की शीर्ष पंक्ति में भी वृद्धि करेगा।

गैरसूचीबद्ध कंपनियों में विदेशी निवेश पर कर के नए नियम ला सकता है आयकर विभाग

मुंबई ।

आयकर विभाग अनिवासी निवेशकों पर कर लगाने के उद्देश्य से गैरसूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के उचित बाजार मूल्य (एफएमवी) का पता लगाने के लिए आयकर अधिनियम के तहत संशोधित मूल्यांकन नियम जारी कर सकता है। आयकर विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस संशोधन की जरूरत इसलिए महसूस की जा रही है कि आयकर अधिनियम और फेमा कानून में गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के एफएमवी की गणना के लिए अलग-अलग तरीके दिए गए हैं। आयकर अधिनियम के नियम 11यूए को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के अनुरूप बनाने के लिए हितधारकों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए फिर से निर्धारित किया जाएगा। नियम 11यूए अचल संपत्ति के अलावा अन्य संपत्ति के एफएमवी के निर्धारण से संबंधित है। वित्त विधेयक, 2023 में आयकर अधिनियम के अनुच्छेद 56(2) में संशोधन का प्रस्ताव दिया गया है। इससे निवेश एवं आंतरिक व्यापार प्रोत्साहन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता-प्राप्त स्टार्टअप को छोड़कर गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में किए जाने वाले विदेशी निवेश को कर दायरे में लाया जा सकेगा। हालांकि डीपीआईआईटी से मान्यता-प्राप्त और निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले स्टार्टअप में निवेश पर कोई कर नहीं लगाया जाएगा। मौजूदा नियमों के अनुसार केंद्रीकृत नियंत्रण वाली कंपनियों में किए गए घरेलू निवेशकों या निवासियों के निवेश पर ही उचित बाजार मूल्य के ऊपर कर लगाया जाता है।

सैमसंग गेलेक्सी एस23 सीरीज़ ने 140,000 प्रिबुकिंग्स का रिकॉर्ड बनाया

मुंबई । देश के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग की नई लॉन्च की गई गेलेक्सी एस23 सीरीज़ ने पहले 24 घंटों में भारत में 140,000 से ज्यादा यूनिटें प्रिबुक की गई हैं, जो सैमसंग की फ्लैगशिप डिवाइसेज़ के लिए एक नया रिकॉर्ड है। सैमसंग ने 2 फरवरी को देश के ऑनलाइन एवं ऑफलाईन रिटेल स्टोर्स पर अपनी नई गेलेक्सी एस23 सीरीज़ की प्रि-बुकिंग शुरू की थी। सैमसंग इंडिया के मोबाइल कारोबार के एक अे धिका0री ने कहा कि गेलेक्सी एस23 सीरीज़ ने एक पूरी पीढ़ी को पीछे छोड़ दिया है। इसमें सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन प्रस्तुत किए गए हैं, जो पर्यावरण के अपने प्रभाव को भी काफी कम कर देंगे। पहले 24 घंटों में रिकॉर्ड स्तर पर की गई प्रि-बुकिंग गेलेक्सी एस23 सीरीज़ की अत्याधुनिक कैमरा क्षमताओं, भविष्य के लिए तैयार मोबाईल गेमिंग अनुभव और ईको-फ्रेंडली सामग्री के लिए भारतीय उपभोक्ताओं के उत्साह को प्रदर्शित करती हैं। नई गेलेक्सी एस23 सीरीज़ नोएडा की फैक्ट्री में बनाई जाएगी।

लोन की रीफाइनेंसिंग के लिए वीआई कर रही बैंकों से बातचीत

- रीफाइनेंस प्रपोजल पर किया जा सकता है विचार

मुंबई ।

वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने 3,000-4,000 करोड़ रुपए के लोन को रीफाइनेंस करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े लेंडर्स के साथ नए सिरे से बातचीत शुरू की है। वास्तव में कुछ लोन के रीफाइनेंस से वीआई को इंडस टॉवर्स जैसी टॉवर कंपनियों और एरिक्सन और नोकिया जैसे नेटवर्क कंपोनेंट मेकर्स के बकाए का भुगतान करने में मदद मिलेगी। पेंडिंग पेमेंट्स ने कंपनी की 5जी कंपोनेंट सप्लाई टाइअप और नेक्स्ट जेन सर्विस को लॉन्च करने के लिए आवश्यक टॉवर साइट एग्रीमेंट्स को अंतिम रूप देने की प्लानिंग को स्पीड दी है। पिछले साल राइवल कंपनियों रिलायंस जियो और भारती एयरटेल ने अक्टूबर में 5जी सर्विस शुरू कर दी हैं। नई वार्ता वोडाफोन आइडिया के एजीआर ड्यूज के लिए अर्जित ब्याज को सरकारी इक्विटी में परिवर्तित करने के तुरंत बाद आई है। ट्रांजेक्शन 7 फरवरी से प्रभावी रूप से पूरा हो गया था। सरकार अब 33.44 फीसदी हिस्सेदारी के साथ कंपनी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर है।

एक सीनियर बैंकर ने कहा कि वोडाफोन आइडिया कुछ बैंक लोन को वापस लेने की मांग करने वाले लेंडर्स के साथ नए सिरे से बात कर रहा है, उन्होंने अभी तक फोर्मल रीफाइनेंस प्रपोजल सामने नहीं रखा है।

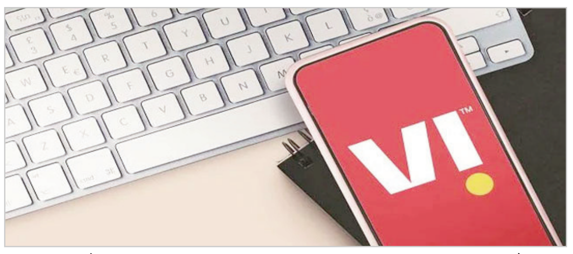

लोन रीपेमेंट शर्तों में नरमी के लिए भी चर्चा चल रही है। बैंकर ने यह भी कहा कि वीआई के लेंडर्स के अभी तक नए लोन का विस्तार करने की संभावना नहीं है, क्योंकि इससे संभावित रूप से घाटे में चल रही टेलीकॉम कंपनी की पहले से ही कमजोर बैलेंस शीट पर दबाव पड़ेगा, जिसमें सितंबर 2022 तक 2.2 लाख रुपए करोड़ का कर्ज और अंत में सिर्फ 190 करोड़ का कैश बैलेंस शामिल है। प्रोसेस में शामिल एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि रीफाइनेंस प्रपोजल पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि बैंक नए लोन नहीं दे रहे हैं।

आईटी में नई भर्तियों की रफ्तार पड़ी धीमी

नई दिल्ली ।

पिछले साल ज्यादा भर्तियां करने और वृहद आर्थिक स्थिति पर अनिश्चितता होने का असर इस साल शीर्ष आईटी सेवा कंपनियों की कैंपस नियुक्तियों पर दिख रहा है। सूत्रों के अनुसार आईटी कंपनियों के बीच लोकप्रिय 3 से 4 बड़े इंजीनियरिंग संस्थानों से बात की, जिन्होंने पुष्टि की कि इन्फोसिस और विप्रो ने छात्रों को नियुक्त करने के लिए अभी तक परिसर का दौरा नहीं किया है। उद्योग के भागीदारों ने यह भी कहा कि 2022 की तरह इस बार आईटी फर्में परिसरों से नियुक्ति करने में ज्यादा उत्साह नहीं दिखा रही हैं। इसकी एक वजह यह है कि पहले कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर भर्तियां की गई हैं और काफी कर्मचारी अभी बेंच पर हैं यानी किसी परियोजना में उन्हें लगाया नहीं गया है। दक्षिण भारत के एक इंजीनियरिंग संस्थान के प्लेसमेंट निदेशक ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि कैंपस प्लेसमेंट का सीजन अगस्त-सितंबर से शुरू हाता है लेकिन ज्यादातर बड़ी कंपनियों का अभी प्लेसमेंट के लिए आना बाकी है। इन्फोसिस आम तौर पर नवंबर-दिसंबर तक आती है लेकिन फरवरी का महीना चल रहा है और कंपनी की ओर से अभी तक कुछ नहीं कहा गया है।

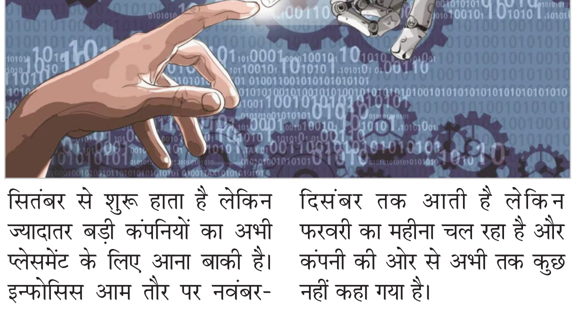

क्रूड महंगा होने से बढ़े पेट्रोल और डीजल के दाम

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 85.89 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में फिर उछाल दिख रहा और ब्रेंट क्रूड का भाव सोमवार को 86 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सोमवार को कई राज्यों में उछाल दिख रहा है। यूपी और बिहार के कई शहरों में तेल के दाम बढ़ गए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल के दाम 14 पैसे चढ़कर 96.79 रुपए लीटर हो गए हैं, जबकि डीजल 14 पैसे महंगा होकर 89.96 रुपए लीटर बिक रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल के दाम 13 पैसे बढ़कर 96.57 रुपए लीटर हो गए हैं, जबकि डीजल 12 पैसे महंगा होकर 89.76 रुपए लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 56 पैसे बढ़ा और 107.80 रुपए लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 52 पैसे चढ़कर 94.56 रुपए लीटर पहुंच गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में भी पिछले 24 घंटे में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 85.89 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़कर 79.25 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एलपीजी सिलेंडरों में गैस कम होने पर एजेंसियों और डिलीवरी मैन पर होगी कार्रवाई

- साल 2020 से ही मोदी सरकार ने कर दिया है उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू

नई दिल्ली ।

एलपीजी सिलेंडरों में गैस की कम सप्लाई की शिकायतों के बाद गैस एजेंसियों की जांच शुरू हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में भी कई गैस एजेंसियों पर रैंडम आधार पर जांच की जा रही है। बता दें कि गैस एजेंसी की मिलीभगत से डिलीवरी मैन द्वारा उपभोक्ताओं को मानक मात्रा से कम गैस की डिलीवरी किए जाने पर अब कंपनी की गाइडलाइंस के साथ-साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए मोदी सरकार ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए हैं। गौरतलब है कि गैस डिलीवरी के वक्त उपभोक्ताओं को पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आया मैसेज डिलीवरी मैन को बताना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके बाद ही सिलिंडर मिलता है। हालांकि इस फैसले से गैस कम मिलने का कोई लेना-देना नहीं है. लेकिन अगर आप गैस का सिलेंडर जल्दी खत्म हो जाने से परेशान हैं तो अब आपकी परेशानी दूर होने जा रही है। अब डिलीवरी मैन आपको गैस कम देता है तो आप तुरंत ही शिकायत कर सकते हैं। साल 2020 से ही मोदी सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू कर दिया है. इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद अब अगर उपभोक्ता को कम गैस मिलता है तो गैस एजेंसी पर कार्रवाई तो होगी साथ ही उसका लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। अधिकांश लोग गैस सिलेंडर की डिलीवरी लेने के वक्त वजन चेक नहीं करते। इसका यह भी कारण है कि डिलीवरी मैन सप्लाई के वक्त वजन तौलने वाली मशीन नहीं रखते। जागरुकता के अभाव में कई बार सिलेंडर में कम गैस का खामियाजा उपभोक्ताओं को उठाना पड़ता है। सिलेंडर में से एक से दो-तीन किलो गैस निकाली जा रही है। ऐसे में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को घर बैठे ही कई अधिकार और सुविधा मिल गई है। किसी भी गैस एजेंसी के डिलीवरी मैन द्वारा उपभोक्ताओं को मानक मात्रा से कम गैस की डिलीवरी किया जाना पाया जाएगा तो अब इसके लिए संबंधित गैस एजेंसी का उत्तदायित्व निर्धारित करते हुए उसके विरुद्ध कंपनी की गाइडलाइंस के साथ-साथ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम में खेलेंगी सिंधु

नई दिल्ली । भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने कहा है कि वह अब फिट हो गयी हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार हैं। सिंधु पैर के स्ट्रेस फ्रेक्चर के कारण पिछले काफी समय से खेल से दूर थीं। ओलंपिक पदक विजेता इस खिलाड़ी को अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चोट लगी थी। सिंधु अब लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ दुबई में मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में खेलने के लिए तैयार हैं। सिंधु ने इस साल की पहली प्रतियोगिता पेट्रोनास मलेशिया ओपन 2023 के साथ वापसी की थी पर उन्हें पहले दौर में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। सिंधु इसके बाद इंडिया ओपन में भी पहले दौर में बाहर हो गईं थीं। सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ से कहा, 'मैं अब बिलकुल ठीक हूं। शारीरिक और मानसिक रूप से मैं पूरी तरह ठीक हूं। चोटें लगती रहती हैं पर महत्वपूर्ण है कि आप अपने शरीर को स्वस्थ रखो और हर बार अच्छी वापसी करो। मैं आश्वस्त, सकारात्मक हूं और अपनी गल्तियों से सीख रही हूं। पिछले साल सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशल, स्विस ओपन और सिंगापुर ओपन के रूप में तीन खिताब जीतने वाली सिंधु को एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर मौजूदा सत्र में इस सफलता को दोहराने की उम्मीद है।

वू यिबिंग ने रचा इतिहास

ओपन एरा में एटीपी टूर खिताब जीतने वाले पहले चीनी बने

(एजेंसी)।

वू यिबिंग ओपन एरा में एटीपी टूर ट्रॉफी जीतने वाले पहले चीनी खिलाड़ी बन गए हैं। 23 वर्षीय तेज-तर्रार खिलाड़ी ने डलास ओपन के फाइनल में जॉन इस्नर को 6-7(4), 7-6(3), 7-6(12) से पराजित करने से पहले चार चैंपियनशिप अंक बचाए।इस सप्ताह से पहले, कोई भी चीनी व्यक्ति कभी भी ओपन एरा में टूर-लेवल फाइनल में नहीं पहुंचा था या एटीपी रैंकिंग के शीर्ष 10 में किसी प्रतिद्वंद्वी को नहीं हराया था। वू ने वर्ल्ड नंबर 8 टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ अपनी सेमीफाइनल जीत के साथ एक ही बार में दोनों हासिल कर लिया और उन्होंने रविवार के फाइनल में जीत के साथ अपना इतिहास बनाने का सिलसिला जारी रखा। वू ने डलास ओपन वेबसाइट के हवाले से कहा, मुझे खुद पर बहुत गर्व है और विशेष रूप से सभी प्रशंसकों और मेरी टीम का धन्यवाद, जो यहां मेरा समर्थन करने के लिए आए। मैं आप लोगों में से किसी के बिना यह नहीं कर सकता था। इस जीत के बाद वू सोमवार को एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 100 में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे चीनी खिलाड़ी बन गए। वह सिर्फ एक सप्ताह बाद करियर-हाई वर्ल्ड नंबर 58 पर पहुंच जाएंगे। उपविजेता इस्नर ने इस सप्ताह अपने प्रत्येक ऐस के लिए इस्नर फैमिली फाउंडेशन को 100 डॉलर दान करने का संकल्प लिया। एटीपी टूर वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने डलास क्षेत्र में जरूरतमंद बच्चों के लिए 13,800 डॉलर जुटाकर 138 ऐस के साथ टूर्नामेंट समाप्त किया।

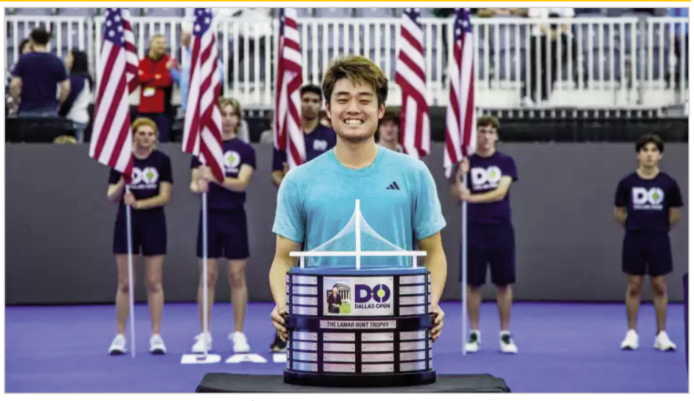

डब्ल्यूपीएल :ऑक्शन में सबसे महंगी खिलाड़ी बनी स्मृति मंधाना, RCB ने 3.4 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।(एजेंसी)।

महिला प्रीमियर लीग के पहले सत्र के लिए आज हो रही नीलामी में अभी तक भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं। मंधाना को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 3.4 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर दूसरी सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं। गुजरात जायंट्स ने गार्डनर को 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। इसके अलावा आरसीबी ने एलिसे पेरी को 1.7 करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुंबई इंडियंस ने 1 करोड़ 80 लाख रुपए में खरीदा। इसके अलावा यूपी वारियर ने सोफी एलेक्सटोन को 1.80 करोड़ रुपए में खरीदा।

डब्ल्यूपीएल नीलामी 2023 में अब तक के बिके सबसे महंगे खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है-

- स्मृति मंधाना (भारत) - 3.4 करोड़ - आरसीबी।
- एश्ले गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया) - 3.2 करोड़ - गुजरात।
- नताली साइवर (इंग्लैंड) - 3.2 करोड़ - मुंबई।
- दीप्ति शर्मा (भारत) - 2.6 करोड़ - यूपी वारियर्स।
- जेमिमा रोड्रिग्स (भारत) - 2.2 करोड़ -दिल्ली।
- शैफाली वर्मा (भारत) - 2 करोड़ - दिल्ली।
- बेथ मूनी (ऑस्ट्रेलिया) - 2 करोड़ - गुजरात जायंट्स।

बता दें कि उद्घाटन महिला प्रीमियर लीग प्लेयर नीलामी के लिए कुल 1,525 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था, जिसके बाद छंटनी कर 449 खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी की गई, जिसमें 246 भारतीय और 163 विदेशी खिलाड़ी हैं जिनमें से 8 खिलाड़ी सहयोगी देशों के हैं। कुल कैप्ड खिलाड़ी 202 हैं, अनकैप्ड खिलाड़ी 199 हैं और 8 सहयोगी देशों से हैं। पांच टीमों के पास अधिकतम 90 स्लॉट उपलब्ध हैं, जिनमें से 30 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं।

तरूणदीप और अंकिता ने जीते खिताब

नई दिल्ली ।भारत के तरूणदीप राय और अंकिता भकत ने राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट में पुरुष और महिला वर्ग में खिताब जीते हैं। तरूणदीप ने यहां अंतिम चरण में पुरुष रिकर्व का खिताब जीता। तरुणदीप ने फाइनल में पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन पार्थ सालुंखे को 6-2 से हराया। वहीं सुखचैन सिंह ने शीर्ष खिलाड़ी अतनु दास को शूट ऑफ में हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। दूसरी ओर सीनियर महिला रिकर्व वर्ग में अंकिता ने मधु वेदवान को 6-4 से हराया। भजन कौर ने रिधि फोर को 6-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा जूनियर वर्ग में पुरुषों का खिताब नीरज चौहान ने जबकि महिलाओं का खिताब भजन कौर को मिला।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मॉर्गन ने संन्यास लिया

लंदन ।(एजेंसी)

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। मॉर्गन ने सोशल मीडिया पर खेल से अपने संन्यास की घोषणा की। 36 वर्षीय मॉर्गन का शानदार करियर रहा है। इस बल्लेबाज के नाम एकदिवसीय विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। मॉर्गन ने साल 2019 के विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में सबसे अधिक 17 छक्के लगाये थे। इससे पहले ये रिकार्ड वेस्ट इंडीज के क्रिस गेल के नाम था। गेल के नाम 16 छक्के थे। मॉर्गन ने 57 गेंदों में शतक लगाया था, जिसमें 3 चौके और 11 छक्के शामिल थे। अपनी इस पारी में इस बल्लेबाज ने 17 छक्के और 4 चौके लगाकर 71 गेंदों में 148 रन बनाए। गेल ने इसके पहले 2015 एकदिवसीय विश्वकप के एक मैच में 16 छक्के लगाकर रिकार्ड बनाया था। मॉर्गन ने अंतिम बार एसए20 लीग में पार्ल रॉयल्स की ओर से खेला था। वह अब प्रसारक के रूप में क्रिकेट से जड़े रहेंगे। मॉर्गन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, काफी विचार के बाद, मेरा मानना है कि अब उस खेल से दूर होने का सही समय है जिसने मुझे इतने वर्षों में काफी कुछ दिया है। मॉर्गन ने साल 2019 में रिकॉर्ड 126 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 72 ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड की कप्तानी की है। दोनों प्रारूपों में कप्तान के रूप में उनके नाम 118 जीत का रिकॉर्ड है। वह इंग्लैंड के लिए सबसे अधिक एकदिवसीय रन 6,957 बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। वहीं टी20 में उनके सबसे अधिक 2,458 रन हैं। वह दोनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इस क्रिकेटर ने 248 एकदिवसीय और 115 टी20 खेलकर कुल 10,159 रन बनाये हैं। उन्होंने खेल के लंबे प्रारुप में अधिक नहीं खेला और 16 टेस्ट में 700 रन बनाए हैं। मॉर्गन ने दो बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेला था। मॉर्गन ने साल सबसे पहले साल 2006 में 16 साल की उम्र में आयरलैंड की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था पर बाद में वह इंग्लैंड चले गये।

संक्षिप्त समाचार

वेलेंटाइन डे पर हार्दिक पण्ड्या पारम्परिक शादी के लिए उदयपुर पहुंचे

उदयपुर । क्रिकेटर हार्दिक पण्ड्या अपनी पत्नी अभिनेत्री मॉडल नताशा स्टेनकोविक से अब पारम्परिक रुप से शादी करेंगे। इसके लिए वह परिवार के साथ उदयपुर आए हैं। हार्दिक ने तीन साल पहले नताशा से कोर्ट मैरिज की थी। 29 वर्षीय हार्दिक अपनी पत्नी नताशा, अपने भाई क्रिकेटर कुणाल पण्ड्या व परिवार के सदस्यों के साथ उदयपुर पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार हार्दिक 14 फरवरी वेलेंटाइन डे पर फिर से शादी करेंगे। यह विवाह समारोह 13 फरवरी की रात से शुरू होगा और तीन दिन चलेगा। गौरतलब है कि हार्दिक ने वर्ष 2020 में नताशा स्टेनकोविक से कोर्ट मैरिज की थी। उनके एक बेटा भी है जिसका नाम उन्होंने अगस्तया रखा है। कोरोनाकाल में शादी के चलते तब केवल परिवार के सदस्य ही शामिल हो पाए थे।प्राप्त जानकारी के अनुसार हार्दिक और उनकी पत्नी नताशा की इस शादी में हॉलीवुड स्टार, क्रिकेटर, उद्योपगपति व बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियां भी भाग लेंगी। हार्दिक वैसे तो सोशल मीडिया में अपनी बात शेयर करते रहते हैं लेकिन अपनी इस शादी को लेकर अभी तक उन्होंन कोई बयान नहीं दिया है।

पाक की आयशा ने डेथ ओवर में आक्रामक बल्लेबाजी कर ध्यान खींचा

केपटाउन । यहां जारी महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की आयशा नसीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। आयशा ने रविवार को भारतीय टीम के साथ हुए मुकाबले में डेथ ओवर में तेजी से बल्लेबाजी की हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पायी। इस मैच में 14 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर 4 विकेट पर 83 रन ही था। ऐसे समय में आयशा ने 25 गेंदों पर 43 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। इस पारी में दो चौके और 2 छक्के शामिल थे। इस मैच में आयशा ने ही छक्का लगाया। इस मैच में पाक ने 149 रन बनाये। यह महिला टी20 विश्व कप में पाक का सबसे बड़ा स्कोर है। 18 साल की आयशा ने 15 साल और 209 दिन की उम्र में उन्होंने पहला मैच खेला था। वह पाकिस्तान के लिए टी20 प्रारुप में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। अब तक 26 टी20 पारियों में आयशा ने 126.92 की स्ट्राइक रेट से 363 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 20 चौके और 17 छक्के मारे हैं। केवल 29 मैच के बाद भी आयशा पाक के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के मारने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। पाक की ओर से सबसे ज्यादा 26 छक्के निदा डार के नाम हैं।

डब्ल्यूपीएल नीलामी: हरमनप्रीत कौर बोलीं, मुंबई इंडियंस के लिए पुरुषों की तरह योगदान देना चाहेंगे

मुंबई, (एजेंसी)

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुंबई इंडियंस (एमआई) ने सोमवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की पहली नीलामी में 1.80 करोड़ रुपये में अपने नाम किया। हरमनप्रीत ने 50 लाख के आधार मूल्य के साथ नीलामी में प्रवेश किया था। उनके लिए मुंबई, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच तीन-तरफा बोली लगाई गई। इसके बाद एमआई द्वारा उन्हें साइन किया गया। आरसीबी द्वारा स्मृति मंधाना को नीलामी में अनुबंधित किया गया है। एमआई के पास वर्तमान में भारतीय क्रिकेट टीम के दो कप्तान हरमनप्रीत और रोहित शर्मा हैं। एमआई द्वारा लिए जाने के कुछ ही समय बाद, हरमनप्रीत ने कहा कि वह अगले महीने 4 से 26 मार्च तक होने वाले डब्ल्यूपीएल के माध्यम से आईपीएल में मुंबई इंडियंस की पुरुष टीम की सफलता का अनुकरण करना चाहती हैं।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा मुंबई इंडियंस को आईपीएल में अच्छा करते देखा है और अब मेरे पास मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा बनने का भी मौका है। मुझे उम्मीद है कि हम एक अच्छी टीम बनाएंगे। यह हम सभी के लिए बड़ा अवसर है, जिसका हम अनुभव करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं और साथ ही यह न केवल भारत में बल्कि विश्व क्रिकेट में भी पूरी तरह से महिला क्रिकेट को बदल देगा। यह एक बड़ी पहल है और हम इसके लिए तत्पर हैं। हम सभी मुंबई आ रहे हैं और आशा करते हैं कि हम सभी बेहतर करेंगे। एमआई प्रशंसक हमेशा बहुत अच्छे रहे हैं और जैसा कि एमआई पुरुष कर रहे हैं, हम उसी तरह योगदान देना चाहेंगे।उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह पिछले दस वर्षों से अधिक समय से हम पुरुषों के लिए नीलामी देख रहे हैं और यह सिर्फ आश्चर्यजनक था क्योंकि जब भी वे होते थे तो मैं हमेशा पुरुषों की नीलामी से चिपकी रहती थी। यह महिला क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा दिन है। मुझे लगता है कि यह पहले डब्ल्यूपीएल की घोषणा और फिर यह नीलामी एक इतिहास है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट इंदौर में खेला जाएगा, 1 मार्च से होगा शुरू

इंदौर। (एजेंसी)

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में खेला जाने वाला तीसरा टेस्ट मैच अब इंदौर के होल्कर स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह मैच 1 से 5 मार्च तक खेला जाना है।बीसीसीआई ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि धर्मधाला में काफी सर्दी है और आउटफ़ील्ड में पर्याप्त घास भी नहीं है, जिसे पूरी तरह से विकसित होने के लिए कुछ समय लगेगा, इसी कारण से मैच को इंदौर स्थानांतरित करने का फैसला किया गया है। भारतीय टीम ने नागपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में एक पारी और 132 रनों से जीत दर्ज की थी और चार मैचों की श्रृंखला में अब 1–0 से आगे है।श्रृंखला का दूसरा मैच 17 से 21 फरवरी तक दिल्ली, तीसरा मैच 1 से 5 मार्च तक इंदौर और चौथा और आखिरी टेस्ट मैच 9 से 13 मार्च तक अहमदाबाद में खेला जाएगा।

रणजी फाइनल खेलने तेज गेंदबाज उनादकट को भारतीय टीम ने रिलीज किया

मुम्बई । तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को भारतीय टीम से रिलीज कर दिया गया है। उनादकट को इसलिए रिलीज किया गया है ताकि वह सौराष्ट्र की ओर से रणजी ट्राफी फाइनल खेल सकें। उनादकट सौराष्ट्र टीम के कप्तान हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही चार मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था। इसी कारण उनादकट ने सौराष्ट्र टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच 17 फरवरी से नई दिल्ली में खेला जाएगा। दिल्ली में खेले जाने वाले दूसरे मुकाबले के लिए चुनी गई टीम में उनादकट का नाम था पर अंतिम ग्यारह में उनकी जगह पक्की नहीं होने के कारण कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ की सहमति से रणजी ट्रॉफी फाइनल में सौराष्ट्र की तरफ से खेलने के लिए इस खिलाड़ी को रिलीज करने का फैसला किया गया। उनादकट ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज में नाम आने के बाद रणजी टीम का साथ छोड़ा था। अब उनकी टीम ने रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई है। वह फिर से टीम से जुड़ रहे हैं। सौराष्ट्र को 16 फरवरी को खिताबी मुकाबले में कोलकाता के ईडेन गार्डन्स में बंगाल का सामना करना है।

एक समय खेल छोड़ने के बारे में तक सोच रही थी जेमिमा

केपटाउन ।(एजेंसी)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में शानदार बल्लेबाजी कर अपने को साबित किया है। जेमिमा के लिए पिछला समय अच्छा नहीं रहा था और वह पिछले साल न्यूजीलैंड में हुए एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं बना पायीं थी। इसके बाद भी इस खिलाड़ी ने टीम में शानदार वापसी की है।

पाक के खिलाफ पहले ही मैच में जेमिमा ने 38 गेंद में नाबाद 53 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस खिलाड़ी का कहना है कि टीम से बाहर होने के बाद एक समय वह निराश थीं और खेल छोड़ने के बारे में तक सोच रहीं थीं। जेमिमा ने मैच के बाद कहा, ' पिछले साल इस समय जब मैं घर पर थी और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में नहीं थी क्योंकि मुझे एकदिवसीय विश्वकप टीम में जगह नहीं मिली थी। यह मेरे लिए सबसे कठिन समय था पर उस दौरान बहुत सारे लोग थे जिन्होंने मेरी मदद की और मेरा हौंसला बनाये रखा। जेमिमा अपने आसपास के माहौल, विशेष रूप से अपने निजी कोच प्रशांत शेट्टी और अपने पिता की आभारी हैं जिन्होंने उन्हें उस कठिन दौर से बाहर निकालने में मदद की। वह अपने बेसिक्स पर लौटी और अंडर-14 और अंडर-19 लड़कों के खिलाफ खेली जिसका उन्हें काफी फायदा मिला। जेमिमा को अब भी न्यूजीलैंड में पिछले साल के 50 ओवरों के विश्व कप में नहीं खेल पाना खलता है। उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब है कि हमने उस दौरान वास्तव में कड़ी मेहनत की और मुझे याद है कि मैं मानसिक रूप से ठीक नहीं थी। मैंने एक ब्रेक लिया था क्योंकि क्रिकेट एक ऐसी चीज है जिसे खेलना मुझे पसंद है, ऐसा कुछ है जिसे मैं करना पसंद करती हूं और विश्व कप में खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है और इसमें नहीं खेल पाने से उबरने में थोड़ा समय लगा। जेमिका ने कहा कि वह पहली महिला प्रीमियर लीग में खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

राधा यादव, शिखा पांडे, मरिजन कप्प दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगी

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) नीलामी के कैप्ड ऑलराउंडर सेट में भारत की राधा यादव और शिखा पांडे के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका की मरिजन कप्प को अनुबंधित किया है।राधा को 40 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा गया। 40 लाख रुपये के आधार मूल्य वाली शिखा, 60 लाख रुपये के सौदे के साथ कैपिटल्स में शामिल हुईं, जबकि मरिजन को 1.5 करोड़ रुपये मिले।एक अन्य भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा 50 लाख के आधार के साथ, 75 लाख में गुजरात जायंट्स में चली गईं। दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लार्क, ऑस्ट्रेलिया की जेस जोनासेन, स्कॉटिश लेह कास्पेरेक और बांग्लादेश की सलमा खातून नहीं बिकीं।भारत की अंडर-19 विकेटकीपर हृषिता बसु भी किसी बोली लगाने वाले को आकर्षित करने में विफल रहीं। गेंदबाजों की सूची में, यूपी वारियर्ज ने राजेश्वरी गायकवाड़ को 40 लाख रुपये के आधार मूल्य पर अपने नाम किया। भारत की तेज गेंदबाज अंजलि सरवानी 55 लाख रुपये में यूपी वारियर्ज से जुड़ीं। स्पिन गेंदबाजों की सूची में इंग्लैंड की क्रिकेटर सारा ग्लेन, दक्षिण अफ्रीका की नोनकुलुलेको म्लाबा, भारत की पूनम यादव, श्रीलंका की इनोका रणवीरा, आस्ट्रेलियाई अलाना किंग, वेस्टइंडीज की एफी फ्लेचर और न्यूजीलैंड के फ्रान जोंस को भी किसी ने नहीं खरीदा।

चाइना मेड प्यार

पश्चिमी देशों का पर्व वेलेंडाइन डे जो 14 फरवरी को आता है और इसी के आसपास ही वसंत पंचमी का त्योहार भी आता है। भारत में वसंत पंचमी को प्रेम दिवस भी माना जाता है। भारत में पहले प्यार आलमआरा, संगम, हीर रांझा, सोहनी महिवाल, सिरी फरहाद हुआ करता था और अब तो नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम या ओटीटी हो गया है। एक जमाना था जब प्यार होना बहुत मुश्किल होता था। टेलीफोन की सुविधा हर किसी के पास नहीं थी। पिछले साल भाई की शादी में देखा था उसे अब इस बार दादाजी के नुक्ते में दिखाई दी, सोचा इस बार तो पत्र थमा ही दूंगा।प्रंतु ऐसा कम ही हो पाता था। कम से कम 2 साल में इजहार हो पाता था। कई बार एक साल बाद पता चलता था कि उसकी शादी कहीं और हो गई। हालांकि उस दौर में प्यार सचमुच ही प्यार होता था।

अब तो वाट्सएप और फेसबुक का दौर है। पहले ऐसा था कि एक पत्र या प्रेम संदेश को पहुंचाने में बहुत पापड़ बेलना पड़ते थे। कम से कम दो माह लग जाते थे। लेकिन जब से एसएमएस का दौर प्रारंभ हुआ तो प्यार ने थोड़ी स्पीड पकड़ी। फिर उसी के साथ याहू जैसी कंपनियों ने फ्री-चेट सुविधा प्रारंभ की तो और स्पीड बढ़ गई। अब तो वॉट्सऐप और फेसबुक ने तो सबकुछ बदल कर रख दिया। अब तो लिखते लिखते किसी से कब लव हो जाए और कब ब्रेकअप हो जाए कोई भरोसा नहीं क्योंकि स्पीड हाईटेक है। टेक्नॉलाजी ने लड़के और लड़कियों को तुरंत मिलाने में अहम्‌भूमिका निभाई है लेकिन इससे अब भावनाएं पीछे छुटती गई है। परिवार से जुड़ाव पीछे छुट गया है। लोग अब तो ऑनलाइन मंगनी, शादी और तलाक भी करने लगे हैं। आप सोचिए कि जमाना कहां जा रहा है। पहले कहते थे कि चट मंगनी और पट ब्याव। पर, अब कहते हैं- चट ब्याव और पट तलाक और झट पुन: ब्याव। आप सोचिए शादी से बड़ा आयोजन तो प्री-वेडिंग हो चला है अब तो लोग तलाक की भी पार्टी देने लगे हैं। ज्यादातर प्रेमियों का प्यार शादी के बाद रफूचक्कर हो जाता है- यदि ऐसा था तो यह समझे की वह प्यार नहीं बुखार था। जिस तरह नए गाने आते हैं कुछ समय तक उनका खुमार छाया रहता है फिर दूसरे नए गाने आ जाते हैं तो पुराने का खुमार उतर जाता है। अब तो महामारी के दौर में ऐसा होने लगा है कि एक बुखार उतरा नहीं कि 2 या 3 माह में दूसरा बुखार चढ़ जाता है।

यह कौन जान पाया कि प्यार किसे कहते हैं जिसने किया वह जान पाया? यह भी कौन तय करेगा कि प्यार जिसने किया वही अच्छे से व्यक्त कर पाएगा कि प्यार क्या होता है? हो सकता है कि उसने प्यार नहीं किया हो। जिस भी लड़की या लड़के से उसके संबंध हैं उसके प्रति उसके मन में प्यार हो यह जरूरी नहीं। तब कैसे जाने बाबू कि प्यार किसे कहते हैं? फ्रेग मार्क ने कहीं कहा था कि ''सच्चा प्रेम भूत की तरह है, चर्चा उसकी सब करते हैं, देखा किसी ने नहीं।'' हां, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि प्यार किया नहीं जाता हो जाता है। पुराने जमाने के प्यार और आज के जमाने के प्यार में बहुत कुछ बदलाव हो गया है, बदलाव होना चाहिए लेकिन यदि बदलाव का रुख पतन की ओर हो तो जरा डर ही लगता है.। आज का प्यार चाइना मेड की तरह हो चला हैयूज एंड थ्रो.।

प्यार जीवन को पूरा करने का अहसास। या कहा जाए जिंदगी का दूसरा नाम ही तो प्यार है। और वेलेंटाइन डे इस प्यार के इजहार और अपने प्यार को खास अहसास दिलाने का दिन है। लेकिन, आखिर अपना सच्चा प्यार पाया कैसे जाए। कैसे पहचाना जाए कि यही है आपका वेलेंटाइन

कैसे तलाशें अपना सच्चा प्यार

प्यार को कहीं तलाशा नहीं जाता, वह तो आपके भीतर ही कहीं होता है। ठीक वैसे ही जैसे कस्तूरी मृग की खुशबू उसी में कहीं छुपी होती है, लेकिन वह उसकी तलाश में बावरा सा फिरता रहता है। वैसे ही प्रेम को सांसों की तरह हैं, हर क्षण आपके साथ। लेकिन कई बार इससे वाकिफ होने में अरसा लग जाता है। हमारी नजरों के सामने ही होता है वो, लेकिन हम उसे स्वीकार नहीं पाते। शंकायें, दुविधायें, सवाल और कई अन्य कारण उस वास्तविकता को कहीं ढंक देते हैं। और कई बार किसी से पहली ही मुलाकात में दिल के भीतर से यह आवाज आने लगती है कि हां यह वही है, जिसके लिए तुम इतने बेकरार थे। और जब भी यह अनुभूति होती है, तो यूं लगता है जैसे सारे बादल छंट गए। प्यार तो इनसान के डीएनए में है। आदम और हौव्वा से शुरू हुआ यह प्रेम और फिर फैलता ही चला गया। आदम ने जन्नत सिर्फ हौव्वा के लिए छोड़ी, वो उसके बिना अधूरा जो था। लेकिन, उस दौर में न आदम के पास विकल्प थे और न ही हौव्वा के पास। लेकिन, आज का दौर जरा अलग है। आज सच्चा प्यार मिलना मुश्किल है, क्योंकि आज अरबों की आबादी में आपको किसी ऐसे शख्स से मिलना जरूरी है जिससे लिए दिल धड़क उठे।

कौन है वो

सबसे जरूरी बात, सच्चा प्यार किसी एक दिन का मोहताज नहीं होता। यह तो जिदंगी भर का अहसास होता है। प्यार का कोई फॉरम्यूला नहीं, जो लगाया और उत्तर मिल गया। हर किसी को अलग तरह से होता है इसका अहसास और जब यह अहसास होता है, तो दुनिया में सब कुछ खूबसूरत नजर आने लगता है। हर ओर होती हैं बस खुशियां ही खुशियां। यह मामला दिल का है, और यह कमबख्त दिल भला कब किसकी सुनता है। किस्मत खुद-ब-खुद उस शख्स से मिलवा देती है, और यह कह उठता है तुम ही तो हो, इतने बरसों से तलाश रहा था मैं जिसे।

लेकिन, दुविधायें फिर भी आपकी राह में रोड़े अटका सकती हैं। चलिए हम आपका रास्ता साफ करने में मदद करते हैं। हो सकता है कि आपका प्यार आपकी आंखों के सामने हो और आप उसे देख न पा रहे हों। यह भी हो सकता है कि वो दुनिया के दूसरे कोने में बैठा हो आप की तरह तन्हा और आप ही का इंतजार करते हुए। चाहे जो भी हो, कोई न कोई इस दुनिया में आपके लिए जरूर बना है।

पहली नजर का प्यार हर नजर का प्यार

प्रेम का सार यही है- 'पहली नजर का प्यार, आखिरी नजर का प्यार और हर नजर का प्यार'। जब आपका पहली नजर में ही किसी को देखते ही उसकी ओर खिंचने लगे, तो इसे एक इशारा समझें। इशारा कि आपको प्यार हो चला है। पहली नजर का प्यार ही प्यार हो यह जरूरी नहीं, लेकिन यह प्यार का आधार जरूर हो सकता है। लेकिन, आप किसी को पहली बार देखते ही उसके खयालों में खोये रहते हैं, तो जनाब आपका दिल किसी की नजरों में गिरफ्तार हो चला है, हुजूर आपको प्यार हो चला है।

सीमाओं से परे

इश्क की कोई हद नहीं होती। यह खुद तय करता है अपने नियम और कायदे। जिसके लिए आपके दिल में प्रेम होता है उसकी मदद करने के लिए आप कुछ भी करते हैं। आपको ऐसा करते हुए न कभी अजीब लगता है और न ही आपको कुछ अलग करने का अहसास ही होता है। अगर दूसरा व्यक्ति भी आपकी मदद के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार है, तो जनाब यही प्यार है। प्यार में शर्तें नहीं होतीं, प्यार में सौदा नहीं होता। यह तो होता है और होता है.प्यार मैं और तुम के बीच की दूरियां पाटते हुए हम तक ले जाने का नाम है।

सब कुछ भुला के

कहते हैं, 'इश्क न पूछे दीन धर्म और इश्क न पूछे जात'। प्रेम नियमों पर कहां चलता है। सामाजिक वृजनायें तोड़ने का नाम ही तो प्यार है। आपके दोस्तों की सलाह, पढ़ी-पढ़ाई बातें, आपके कुछ पूर्वाग्रह. सब नेपथ्य में चले जाते हैं और रह जाता है तो बस प्रेम। आपके हृदय में तमाम बातों को झुठलाया जाता है, और आपको अहसास होता है कि यही है वो सच्चा प्यार। प्यार विकल्प नहीं तलाशता। आपको कोई इनसान पसंद है, तो बस पसंद है.अपनी खूबियों और खामियों के साथ। आप वैसे ही चाहते हैं उसे.इस बात से बेपरवाह कि वो भी आपके बारे में वैसा ही सोचे। प्यार कोई निवेश नहीं जिसमें आपको रिटर्न की उम्मीद हो। प्यार है, तो बस है। और अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं, तो मान लीजिए कि यह हर लिहाज से सच्चा प्यार है।

प्यार का दर्द है

उसकी हंसी हो या नजर.उसकी बातें हो या व्यवहार सब कुछ आपके लिए खास होता है। अगर उसे देखते ही दिल में मीठा दर्द हो उठे, तो समझ जाइए कि दिल आपसे कुछ कह रहा है। उसके देखते ही आपका दिल प्रेम से भर आता है। सारी दुनिया में सबसे प्यारा दिखता है वो। ठीक वैसे ही जैसे मां-बाप के लिए उनकी औलाद होती है। अगर किसी को देखकर आपके दिल में भी ऐसा हो, तो मान जाइए कि आप प्यार में हैं। इंतजार मत कीजिए डूब जाइए इस दरिया में।

खिंचा जाऊं मैं तेरी ओर

प्रेम महज आकर्षण नहीं यह और बात है, लेकिन आकर्षण के बिना प्रेम संभव भी नहीं। प्रेम का आधार है आकर्षण.अगर हर सूरत में आप दोनों एक दूजे के साथ रहना चाहते हैं और किसी भी कीमत पर आपको जुदाई बर्दाश्त नहीं, तो यह इशारा है सच्चे प्यार का। आपके दिल को जो भा जाए, जरूरी नहीं कि वो देखने में हूर की तरह हो, कहते हैं लैला का रंग बेहद काला था, लेकिन कैस को वो ऐसी भायी कि वो गलियों में मजनूं बनकर घूमने लगा। अगर, आपके दिल में भी यह आकर्षण महीनों बना रहता है, तो जनाब आपको सच्चे वाला प्यार हो गया है।

ये गिफ्ट करें इस वैलंटाइंस डे पर दिन बनेगा स्पेशल

इस वैलंटाइंस डे पर अगर आप यह सोचकर कन्फ्यूज हैं कि अपने वैलंटाइन को क्या गिफ्ट देंगे तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आपके साथ कुछ वैलंटाइंस गिफ्ट आइडिया शेयर कर रहे हैं। उम्मीद है कि इन्हें पाकर आपका वह स्पेशल फ्रेंड खुद को और भी स्पेशल समझने लगेगा।

गर्लफ्रेंड के लिए यह खरीदें

स्टाइलिश पर्स और बैग - लड़कियों के पास चाहें कितने ही हैंडबैग या पर्स क्यों न हों लेकिन उसके बाद भी उन्हें एक अदद पर्स की कमी हमेशा खलती रहती है। इसलिए इस वैलंटाइंस डे पर उनके लिए एक खूबसूरत, कलरफुल और फैशनेबल पर्स सरप्राइज गिफ्ट कीजिए। यकीन कीजिए आपका दिन बन जाएगा।

नई ड्रेस - आजकल हर शहर में डिजाइन कपड़े मिलने लगे हैं। आप भी चाहें तो उनके लिए टी-शर्ट, कुर्ती, सूट, जींस कुछ भी खरीद कर गिफ्ट कर सकते हैं। इस गिफ्ट से उनका मूड खिल जाएगा।

जूलरी - इसमें कोई शक नहीं है कि लड़कियों को गिफ्ट के तौर पर जूलरी कभी भी किसी भी समय पर दी जाए, उन्हें हमेशा भाती है। हम वैलंटाइंस डे पर आपको कोई भारी-भरकम हार खरीदने को नहीं कह रहे एक नाजुक सी, प्यारी सी चेन या खूबसूरत सी अंगूठी भी काफी है।

स्किनकेयर प्रॉडक्ट - अगर आपको उनकी नरम, मुलायम त्वचा बहुत भाती है और आप चाहते हैं कि वह ऐसी ही बनी रहे तो इस वैलंटाइंस डे पर उन्हें कोई अच्छा सा स्किनकेयर प्रॉडक्ट गिफ्ट कर सकते हैं। बहुत आसानी से आपको सही कीमत में ऐसी चीजें मिल जाएंगी। पर सावधानी यह बरतनी है कि ये प्रॉडक्ट किसी अच्छी कंपनी के हों वरना नुकसान कर सकते है।

बॉयफ्रेंड को यह सब भाएगा

वॉच - लड़कों को घड़ियां काफी पसंद होती हैं। आप इस वैलंटाइंस डे पर उनके लिए अच्छी सी घड़ी खरीदकर गिफ्ट कर सकती हैं।

टाई - उनके फेवरिट सूट या शर्ट से मैच करती हुई टाई गिफ्ट कीजिए उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

चश्मा - लड़के अपने ऊपर बहुत खर्चा नहीं करते। इस वैलंटाइंस डे पर मौका है उनके लिए वही ब्रैंडेड चश्मा खरीद दीजिए जिसे देखकर अकसर वह आहें भरते रहते हैं।

वैलेंटाइन डे के दिन अपनाएं ये खास ब्यूटी टिप्स

हर लड़की चाहती है कि वैलेंटाइन डे के दिन वह सबसे सुंदर नजर आए ताकि पार्टनर की नजरे बस उसी पर टिकी रहे। इसके लिए बेस्ट आउटफिट से लेकर ज्वेलरी तक तो आपने सिलेक्ट कर ली, लेकिन स्किन और बालों का क्या। यदि चेहरे और बालों में चमक न हो तो आउटफिट और ज्वेलरी की चमक भी फीकी पड़ जाएगी। वैलेंटाइन के दिन परियों सी सुंदर नजर आने के लिए अपनाए ये खास उपाय।

- करीब एक हफ्ते पहले से ही त्वचा की देखभाल पर खास ध्यान दें। स्किन की डीप क्लिंजिग जरूरी है। नियमित रूप से क्लिंजिंग के साथ ही डेड स्किन हटाने के लिए स्क्रब भी करें।
- आप चाहें तो किचन में मौजूद चीजों से ही नेचुरल स्क्रब तैयार कर सकती हैं। जैसे- हल्दी में नींबू का रस मिलाकर चेहरे का मसाज करें स्किन ग्लो करने लगेगी। संतरे के छिलके के पाउडर में दही मिलाकर चेहरे का मसाज करने से भी डेड स्किन हट जाती है और त्वचा में निखार आता है।
- स्क्रब करने के बाद अच्छा सा फेसमास्क लगाना जरूरी है। कोई महंगा फेसपैक खरीदने से अच्छा है कि आप घर में मौजूद चीजों से ही कुदरती फेसपैक तैयार कर लें। जैसे- केले को मैश करके उसमें थोड़ा सा दूध मिलाएं और चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी से चेहरा धो लें।
- यदि चेहरे पर दाग-धब्बे हो तो टमाटर और खीरे का पेस्ट लगाएं। 15 मिनट बाद चेहेर धो लें।
- चावल के आटे में दही मिलाकर लगाने से भी चेहरे पर निखार आता है। इस पेस्ट को लगाकर 15 मिनट बाद धो लें।
- इसके अलावा चेहरे का ग्लो बनाए रखने के लिए रात में सोने से पहले टोनर का इस्तेमाल करें। गुलाब जल भी लगा सकती हैं। वैसे नींबू का रस भी टोनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- याद रखिए हर बार फेसवॉश के बाद स्किन को मॉइश्चराइज करना भी जरूरी है।
- स्किन के साथ ही बालों की शाइन बनी रहें इसके लिए उसकी सही देखभाल जरूरी है। बालों में एलोवीरा लगाना से बाल स्मूद और शाइनी बनते है वैसे एलोवीरा चेहरे पर लगाना भी अच्छा होता है।
- चाहें तो वैलेंटाइन से 2-3 दिन पहले हेयर स्पा करा लें, इससे बालों की खोई हुई चमक वापस आ जाएगी।
- धूप और प्रदूषण से हुए नुकसान की भरपाई के लिए बालों में नियमित रूप से तेल लगाने के साथ ही कंडिशनर और सीरम का भी इस्तेमाल करें।

वैलेंटाइन डे पर रहेंगी सिंगल तो होंगे ये फायदे

वैलेंटाइंस डे के मौके पर जहां कई लोगों की प्यार की खोज पूरी हो जाती है तो वहीं कुछ सिंगल भी रह जाते हैं। हालांकि अगर इस वैलेंटाइंस डे भी अगर आप सिंगल रह जाती हैं, तो चिंता की कोई बात नहीं है। वह इसलिए क्योंकि सिंगल रहने से आपको कई फायदे होने वाले हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में :

सबसे पहला फायदा तो यही है कि आपको एक पर्फेक्ट डेट प्लान करने के लिए मशक्कत नहीं करनी होगी और न ही टेंशन लेनी होगी। आप अपनी मर्जी से अपने लिए एक रोमांटिक डेट प्लान कर सकती हैं और खुद को जो गिफ्ट करना चाहती हैं खरीद सकती हैं। इससे भी अच्छी बात यह है कि आप जैसे चाहे तैयार होकर घूमने जा सकती हैं और यह टेंशन लेने की जरूरत ही नहीं कि आपके पार्टनर को वह पसंद आएगा या नहीं।

उम्मीद नहीं तो कोई टेंशन भी नहीं

जब हम किसी रिश्ते में होते हैं तो हम पार्टनर से किसी न किसी चीज को लेकर एक्सपेक्शनंस रखने लगते हैं। मसलन, वह मुझे कहां घुमाने ले जाएगा? क्या गिफ्ट देगा? आदि, लेकिन आप सिंगल हैं तो इन सब चीजों का झंझट ही नहीं होगा। न पार्टनर होगा, न उम्मीदें और न ही किसी तरह की परेशानी।

खुद पर करो जमकर पैसा खर्च

सिंगल रहने की सबसे खास बात यह है कि आपको किसी और पर अपना पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा और उसपर सिर्फ आपका ही हक होगा। यानी आप जैसे चाहे और जब चाहे कितने भी पैसे अपने ऊपर खर्च कर सकती हैं।

सिंगल रहोगी तो कुछ भी करोगी

सिंगल रहने का एक फायदा यह भी होगा कि आप जैसे चाहे वैसे वैलेंटाइंस डे मना सकती हैं। आप सैलून जा सकती हैं। मूवी जा सकती हैं। बुक पढ़ सकती हैं। पूरे दिन आराम कर सकती हैं या फिर दोस्तों संग मस्ती कर सकती हैं।

कम बजट में ऐसे सेलिब्रेट करें वेलेंटाइन डे

वेलेंटाइन डे हर व्यक्ति के लिए अपना प्यार जताने का सबसे बेहतर दिन होता है। इस दिन अगर कोई व्यक्ति किसी से अपने प्यार का इजहार तो अक्सर जवाब में हां सुनने की उम्मीद होती है। इसके अलावा जो लोग कमिटिड होते हैं उनमें भी इस दिन को खास तरह से मनाने का क्रेज होता है। लेकिन अगर आप अपने बजट यानि कि पैसों की तंगी को लेकर परेशान हैं और कोई प्लॉन नहीं कर पा रहे हैं तो परेशान होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं जिनसे आप कम बजट में वेलेंटाइन डे का पूरा मजा ले सकते हैं।

ऑफिस से छुट्टी ले लें

अगर आप शादीशुदा हैं तो अपने पार्टनर को छुट्टी का सप्राइज दें। यकीन मानिए आपकी छुट्टी की बात सुनकर आपका पार्टनर झूम जाएगा जैसे आपने उसे डायमंड गिफ्ट किया हो। घर में म्यूजिक बजाएं और अपने घर को एक अलग प्रकार की थीम के साथ सजाइए। अगर आप रिलेशनशिप में हैं तो किसी रेस्त्रां की टेबल को भी आप सजा सकते हैं।

कुछ स्पेशल बनाएं

क्यों न कुछ नया सीखा जाए। चाहे वो डांस हो या फिर कुकिंग या फिर कुछ भी नया। कुछ ऐसा जो आपने पहले कभी न ट्राई किया हो। आपको इसमें काफी आनंद आएगा साथ ही आपको कुछ नया सीखने को भी मिलेगा।

अपने प्यार का इजहार करें

आपने आखिरी बार कब उसका हाथ थामकर 'आई लव यू' कहा था। आप चाहें तो एक प्यारा सा तोहफा लेकर उनका हाथ अपने हाथों में लेकर, आंखों में आंखें डालकर अपने दिल की बात कह दीजिए। कह दीजिए कि आपकी जिंदगी में उनकी क्या कीमत है। कह दीजिए कि आप अधूरे हैं उनके बिना। और आप शुक्रगुजार हैं कि वो आपकी जिंदगी का हिस्सा बनीं।

कैंडल नाइट डिनर है सबसे खास

वेलेंटाइन डे की बात आते ही अधिकतर लोग कैंडल लाइट डिनर के ख्यालों में खो जाते हैं। लेकिन, आप चाहें तो लंच भी प्लान कर सकते हैं। एक टोकरी में अपना पसंदीदा फूड डालिये साथ एक कैमरा लीजिए और निकल पड़िये पिकनिक पर।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तुर्कीये में बिल्डरों के भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण से हजारों की मौत

अदियामान ।तुर्की और सीरिया में आए भीषण भूकंप से मरने वालों की संख्या 35 हजार पार हो गई है।संयुक्त राष्ट्र संघ की राहत एजेंसी का मानना है कि यह संख्या बढ़कर 50,000 पार कर सकती है।उपरोक्त दोनों स्थानों पर बिल्डरों ने 1997 में बने कानून के अनुसार भूकंप रोधी भवनों का निर्माण किया था।1999 में आए भूकंप के बाद निर्माण नए नियम के अनुसार किया जाना अनिवार्य था।बिल्डरों द्वारा जो इमारतें तैयार की गई।नियमों के अनुसार उन्हें डक्टाइल कंक्रीट से इमारतें बनानी थी।जो भूकंप के झटकों को झेल सकती थी।बिल्डरों ने काफी घटिया निर्माण किया, और काफी भ्रष्टाचार किया। जिसके कारण हजारों लोग मौत के मुंह में चले गए।

इस्तांबुल टेक्निकल यूनिवर्सिटी के भू वैज्ञानिक प्रोफेसर ओकान

तुयूसूज के अनुसार भूकंप का जो झटका यहां पर आया था।उसमें कमजोर इमारत का टिकना मुश्किल था।इमारतों की तबाही के लिए घटिया निर्माण जिम्मेदार है।ऐसे घटिया निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।10 राज्यों के 134 ठेकेदारों को यहां पर गिरफ्तार कर लिया गया है।इन ठेकेदारों ने जिन बिल्डिंगों का निर्माण किया था।वह घटिया निर्माण के कारण भरभरा कर गिर गई।बिल्डरों को विदेश भागने से रोका गया है।न्याय मंत्रालय ने भूकंप अपराध जांच यूनिट का गठन करने का आदेश जारी कर दिया है।

द्विपक्षीय सैन्य व सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए पाक–अमेरिका करेंगे वार्ता

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान और अमेरिका द्विपक्षीय सैन्य व सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए विभिन्न विकल्पों पर सोमवार को वाशिंगटन में रक्षा वार्ता करेंगे।विदेश कार्यालय ने यहां एक बयान में यह जानकारी दी।बयान में कहा गया कि जनवरी 2021 में पाकिस्तान में पहले दौर के आयोजन के बाद सोमवार से बृहस्पतिवार तक चलने वाली वार्ता पाकिस्तान–अमेरिका मध्य–स्तरीय रक्षा वार्ता का दूसरा दौर होगा। इसमें जनरल स्टाफ के प्रमुख के नेतृत्व वाले पाकिस्तान के अंतर–एजेंसी प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्रालय, संयुक्त स्टाफ मुख्यालय और तीन सेवाओं के मुख्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।अमेरिकी बहु–एजेंसी दल का प्रतिनिधित्व रक्षा उपमंत्री के कार्यालय द्वारा किया जाएगा।इसमें कहा गया है कि हाल में दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है और रक्षा वार्ता इसकी अभिव्यक्ति है। मीडिया के अनुसार अमेरिकी विदेश विभाग के काउंसलर डेरेक चॉलेट ने अखबार के साथ एक साक्षात्कार में आतंकवादियों से लड़ने में इस्लामाबाद की सहायता करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिन्होंने हाल ही में पेशावर के पुलिस लाइंस परिसर में एक मस्जिद के अंदर 80 से अधिक लोगों को मार डाला था। खबर में कहा गया है कि अमेरिकी विदेश मंत्री के लिए विशेष राजनयिक कार्य करने वाले चॉलेट कई मुद्दों पर बातचीत के लिए जल्द ही इस्लामाबाद आने वाले हैं।

अमेरिकी आसमान में एलियंस के होने से नहीं कर सकते इनकार : सैन्य कमांडर ग्लेन वैनहर्क

न्यूर्याक ।हकीकत ये है कि एलियंस शब्द का सीधा सा मतलब एक ऐसा जीव जो पृथ्वी पर पैदा न हुआ हो।कभी इसकी मौजूदगी के दावे किए जाते हैं तो कभी कहा जाता है कि एलियंस चुपके से इस धरती पर आकर चले भी गए।अमेरिकी आसमान में एक के बाद एक कई संदिग्ध फ्लाइंग ऑब्जेक्ट को लेकर बहस छिड़ गई है।अमेरिकी वायु सेना के उत्तरी अमेरिकी हवाई क्षेत्र की देखरेख करने वाले जनरल ने इस बहस को एक नई हवा दे दी है।वह अमेरिकी खुफिया विशेषज्ञों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एलियंस या किसी अन्य स्पष्टीकरण से इंकार नहीं करेंगे।उन्होंने कई दिनों में अमेरिकी युद्धक विमानों द्वारा मार गिराए गए तीन हवाई वस्तुओं के लिए एक अलौकिक उत्पत्ति से इनकार किया है। जनरल ग्लेन वैनहर्क ने कहा कि मैं खुफिया एजेंसी और काउंटर इंटेलिजेंस को इसके बारे में पता लगाने दूंगा, मैंने किसी भी चीज से इनकार नहीं किया है।यूएस नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड और नॉर्दर्न कमांड के प्रमुख वानहर्क ने कहा कि हम हर खतरे या संभावित खतरे का आंकलन करना जारी रखते हैं। वैनहर्क की टिप्पणी रविवार को पेंटागन ब्रीफिंग के दौरान आई, जब एक यूएस एफ–16 फाइटर जेट ने यूएस–कनाडा सीमा पर हूरोन झील के ऊपर एक अष्टकोणीय आकार की वस्तु को मार गिराया।4 फरवरी को एक चीनी गुब्बारे को गिराने के बाद पिछले तीन दिनों में भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिसने उत्तर अमेरिकी हवाई सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखा था।अमेरिकी अफसरों ने बताया कि गुब्बारे का इस्तेमाल निगरानी के लिए किया जा रहा था।दूसरे अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने मीडिया से नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सेना ने ऐसा कोई सबूत नहीं देखा है, जिससे पता चलता हो कि कोई भी वस्तु अलौकिक मूल की थी।

उत्तरी फ्रांस में विशाल उल्कापिंड दिखने से रात में हो गया दिन

–अंतरिक्ष से फ्रांस पर आग का गोला बनकर गिरी मुसीबत, एस्टेरॉयड देखकर दहशत में आए लोग

पेरिस ।उत्तरी फ्रांस में विशाल उल्कापिंड दिखाई देने से रात में दिन जैसा नजारा हो गया।रात में अगर अचानक दिन जैसी रोशनी हो जाए तो वह किसी मुसीबत का संकेत ही मानी जाती है।फ्रांस के ऊपर से सोमवार की सुबह ऐसी ही एक बड़ी मुसीबत गुजरी है।उत्तरी फ्रांस के आसमान में रात को एक उल्कापिंड यानी एस्टेरॉयड दिखाई दिया, जिससे रात में दिन जैसा नजारा हो गया।कई लोगों ने इसे गिरते हुए उल्कापिंड का वीडियो बना लिया।इस उल्कापिंड के गिरने की संभावना पहले ही जता दी गई थी। अंतर्राष्ट्रीय उल्का संगठन के अनुसार उल्कापिंड का नाम एसएआर–2667 (सीएक्स–1) है। अंतर्राष्ट्रीय उल्का संगठन ने इस उल्कापिंड के गिरने की पुष्टि की है।ट्विटर पर कहा गया कि 13 फरवरी को 2 बजकर 59 मिनट यानी भारतीय समयानुसार 8.29 बजे सुबह धरती के वायुमंडल में सीएक्स–1 दाखिल हुआ। उल्का संगठन ने अपनी वेबसाइट पर लिखा कि चंद्रमा के करीब एक बेहद चमकदार रोशनी देखी गई। उल्कापिंड अपने संभावित समय पर ही आग का गोला बनकर गिरा है। दर्जनों लोगों ने इसे देखा है।इस उल्कापिंड के आने की भविष्यवाणी पहले ही कर दी गई थी।यह एक मीटर के व्यास का था, जो धरती के लिए खतरा नहीं था, लेकिन जब यह लोगों के ऊपर से गुजरा तो उनमें दहशत पैदा हो गई।यह उल्कापिंड फ्रांस के रूएन के आसमान में दिखा है, लेकिन कई रिपोर्ट्स का दावा है कि बेल्जियम, नीदरलैंड, उत्तरी फ्रांस और दक्षिणी इंग्लैंड से भी इसकी रोशनी देखी जा सकती थी।यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने इसके लिए पहले ही वार्निंग दे दी थी। पृथ्वी के वायुमंडल में आते ही यह उल्कापिंड टूटकर बिखरने लगा। देखते ही देखते ऐसा लग रहा था जैसे आसमान से कोई आग का गोला गिर रहा हो।इसे लेकर पहले ही वॉर्निंग दी गई थी, जिसके कारण कई लोग अपना कैमरा लेकर तैयार थे।लोगों ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। यह उल्कापिंड खगोलविदों के लिए भी महत्वपूर्ण था।ऐसा इसलिए क्योंकि यह 7वां उल्कापिंड है, जिसके बारे में पृथ्वी पर टकराने से पहले ही पता चल गया हो।यह दिखाता है कि उल्कापिंड का पता लगाने की क्षमताओं में विकास हुआ है। पिछली बार 19 नवंबर 2022 को कनाडा के टोरंटो में उल्कापिंड के गिरने से ठीक चार घंटे पहले बता दिया गया था।डायनासोर का खात्मा पृथ्वी पर उल्कापिंड की टक्कर से हुआ था।इंसान नहीं चाहते कि ऐसा उनके साथ हो, इसलिए वह उल्कापिंड का पता लगाने और उनसे बचने के तरीकों पर शोध कर रहे हैं।

यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में रूसी सेना की गोलाबारी जारी

यूक्रेन ।यूक्रेन के पूर्व में अधिक जमीन कब्जाने के प्रयासों के तहत रूसी सेना ने सप्ताहांत के दौरान यूक्रेनी शहरों पर गोलीबारी करना जारी रखी। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि मॉस्को को वहां बहुत प्रतीक्षित व्यापक हमला शुरू करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।गवर्नर सेर्ही लिसाक ने बताया कि दक्षिण पूर्वी निप्रॉपेट्रोवस्क क्षेत्र के एक शहर निकोपोल में रविवार सुबह गोलाबारी से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।गोलाबारी में चार आवासीय इमारतें, एक स्कूल और एक जल–मल शोधन संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए।गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में रात के दौरान तीन एस–300 मिसाइलों के जरिये अवसंरचनाओं को निशाना बनाए जाने से एक व्यक्ति घायल हुआ है।

पेरिस में ईरान के लोगों के प्रति समर्थन जताने के लिए लोग शीर्ष ईरानी नेता आयोतुल्लाह अली खमेनी के कट आउट को लेकर विरोध जताते हुए।

पुतिन को लंदन पर हमला कर ब्रिटेन की संसद को उड़ा देना चाहिए : व्लादिमीर सोलोविओव

– यूक्रेन युद्ध की बरसी से पहले पुतिन के मित्र, सहयोगी व टीवी होस्ट ने दीधमकी

मास्को ।रूस और यूक्रेन के बीच जंग को 24 फरवरी को एक साल पूरा जाएगा।अब पश्चिमी देशों को डर है कि आगामी 24 फरवरी को युद्ध की पहली बरसी पर रूस खतरनाक कदम उठा सकता है।रूस में सरकारी मीडिया यूक्रेन युद्ध की बरसी से पहले देश में खतरनाक माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मित्र और कट्टर सहयोगी और टीवी होस्ट व्लादिमीर सोलोविओव ने यूक्रेन का समर्थन करने के लिए पश्चिमी देशों की आलोचना की है।यहां तक कह डाला कि पुतिन को लंदन पर हमला करना चाहिए और ब्रिटेन की संसद को उड़ा देना चाहिए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कट्टर सहयोगी और टीवी होस्ट व्लादिमीर सोलोविओव का यह बयान इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि हाल ही में यूके के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन ने खुलासा किया था कि पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करने से पहले उन्हें कॉल किया था और ब्रिटेन को बम धमाकों से दहलाने की धमकी दी थी।बकौल बोरिस, पुतिन ने कहा था कि उन्हें ऐसा करने में कुछ मिनट लगेंगे।यूक्रेन में आंतरिक मामलों के मंत्री के सलाहकार एंटोन गेराशचेंको ने अपने ट्विटर हैंडल पर सोलोविओव का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कह रहा है कि हम इतना इंतजार क्यों कर रहे हैं? यूक्रेन को मदद पहुंचाने वाले ब्रिटेन की संसद पर हम हमला क्यों नहीं कर देते?

34 हजार के पार पहुंची तुर्की और सीरिया में भूकंप से मरने वालों की संख्या, 20 हजार से अधिक इमारतें ढहीं

–भूकंप में ढही इमारतों के दोषपूर्ण निर्माण में शामिल 134 लोगों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी, तीन को हिरासत में लिया

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में पिछले सप्ताह आए दोहरे भूकंप से मरने वालों की संख्या क्रमशः 31,605 और 1,414 हो गई है। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक तुर्की में घायलों की संख्या 80 हजार से अधिक और सीरिया में 2,349 हो गई है। तुर्की के न्याय मंत्री बेकिर बोजदाग ने कहा कि तुर्की ने भूकंप में ढह गई इमारतों के दोषपूर्ण निर्माण में शामिल 134 संदिग्धों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। बोजदाग ने बताया कि तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विनाशकारी भूकंपों ने 20 हजार से अधिक इमारतों को नष्ट कर दिया। दक्षिणी आदियमन प्रांत में भूकंप में नष्ट हुई कई इमारतों के ठेकेदार यवुज काराकस और सेविलाय काराकस को इस्तांबुल हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। गजियांटेप प्रांत में एक इमारत के स्तंभ को काटने के लिए दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया।

आपदा के सातवें दिन भी हजारों बचावकर्ता ढही हुई बहुमंजिला इमारतों में जीवन के किसी भी संकेत की तलाश में लगे रहे। हालांकि जीवित बचे लोगों को खोजने की उम्मीदें धूमिल होती जा रही हैं। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने 150वें घंटे में बचाई गई एक बच्ची का वीडियो पोस्ट किया। अनादोलु एजेंसी ने बताया कि भूकंप के 160 घंटे बाद हटे प्रांत के अंताक्य जिले में बचावकर्मियों ने 65 वर्षीय महिला को बाहर निकाला।

भूकंप के 150 घंटे बाद रविवार दोपहर चीनी और स्थानीय बचावकर्ताओं ने हाटे प्रांत के अंताक्य जिले में मलबे से एक जीवित व्यक्ति को निकाला। रविवार को अल्जीरिया और लीबिया ने भी भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री से भरे विमान भेजे। इस बीच, विदेशी राष्ट्राध्यक्षों और मंत्रियों ने एकजुटता दिखाने के लिए तुर्की और सीरिया का दौरा करना शुरू कर दिया।

ग्रीक विदेश मंत्री निकोस डेंडियास ने रविवार को तुर्की का दौरा किया। आपदा के बाद तुर्की का दौरा करने वाले पहले यूरोपीय विदेश मंत्री डेंडियास ने कहा, हम द्विपक्षीय और यूरोपीय संघ के स्तर पर कठिन समय से उबरने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना जारी रखेंगे। क्षेत्रीय विवादों को लेकर नाटो के दो देशों के बीच लंबे समय से चल रहे तनाव के बीच ग्रीक विदेश मंत्री की यात्रा हुई है।

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी, भूकंप प्रभावित तुर्की का दौरा करने वाले देश के पहले विदेशी प्रमुख ने रविवार को इस्तांबुल में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से मुलाकात की। कतर ने तुर्की में भूकंप पीड़ितों के लिए 10 हजार कंटेनर घरों का पहला भाग भेजा है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री, शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने रविवार को सीरिया का दौरा किया और विनाशकारी भूकंप से उबरने के लिए समर्थन जारी रखने का वादा किया।

खाने को नहीं दाने, लेकिन करने चले मदद! शहबाज शरीफ के 30 मिलियन डॉलर वाले दावे पर पाकिस्तानियों ने ही लगा दी क्लास

इस्लामाबाद ।(एजेंसी) पाकिस्तान खुद तो कंगाली के दौर से गुजर रहा है। दाने-दाने को मोहताज वहां की आवाम खाने के लिए तरस रही है। उसके पास न पैसे हैं और ना ही लोगों को दो जून की रोटी नसीब हो रही है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अपने देश की तारीफ करते थक नहीं रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया है कि एक अज्ञात पाकिस्तानी ने तुर्की-सीरिया भूकंप के पीड़ितों के लिए 30 मिलियन अमरीकी डालर का दान दिया है। पाकिस्तान के पीएम ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक ने अमेरिका में तुर्की के दूतावास में जाकर चंदा दिया।

शरीफ ने ट्वीट करते हुए कहा कि एक गुमनाम पाकिस्तानी के उदाहरण से बहुत प्रभावित हुआ, जो अमेरिका में तुर्की दूतावास में गया और तुर्की और सीरिया में भूकंप पीड़ितों के लिए 30 मिलियन डॉलर का दान दिया। ये परोपकार के ऐसे शानदार कार्य हैं जो मानवता को दुर्गम प्रतीत होने वाली बाधाओं पर विजय प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। पीएम शरीफ के ट्वीट के कुछ ही देर बाद कई पाकिस्तानी ट्विटर पर आ गए और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया। लेखक आयशा सिद्दीका ने ट्वीट करते हुए कहा कि दिलचस्प बात यह है कि ये परोपकारी व्यक्ति चुपचाप पाकिस्तानी दूतावास में नहीं गया और इस पैसे को बाढ़ राहत के लिए इस्तेमाल किया। आश्चर्य है क्यों? किया। पाकिस्तानी पत्रकार इहतशाम उल हक ने ट्वीट किया, 'लोल, इसके बजाय खुद से एक सवाल पूछें कि वह पाकिस्तानी दूतावास क्यों नहीं गए।

पाकिस्तान में आतंकी हमले बढ़ने के लिए सुरक्षा बल जिम्मेदार : इमरान

– तालिबान को देश के सुरक्षा बलों की लापरवाही के कारण फलने–फूलने का मौका मिला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि प्रतिबंधित पाकिस्तानी तालिबान को देश के सुरक्षा बलों की लापरवाही के कारण फलने-फूलने का मौका मिला। इमरान ने क्षेत्र में आतंकवाद का संयुक्त रूप से मुकाबला करने के लिए अफगानिस्तान के साथ मिलकर काम करने के महत्व को रेखांकित किया। पिछले साल अप्रैल में सत्ता से बेदखल की गई पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष खान ने वॉयस ऑफ अमेरिका वेबसाइट के साथ एक साक्षात्कार में ये टिप्पणियां कीं। साक्षात्कार में 70 वर्षीय खान ने तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) आतंकवादी संगठन के साथ बातचीत को हरी झंडी देने के लिए अपनी सरकार के कदम का जोरदार बचाव किया। खान ने कहा ?कि तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तानी सरकार के सामने क्या विकल्प थे और उन्होंने टीटीपी का फैसला किया तथा हम 30,000 से 40,000 लोगों के बारे में बात कर रहे हैं।

गौरतलब है ?कि उनमें परिवार भी शामिल थे। एक बार जब उन्होंने (टीटीपी) उन्हें वापस पाकिस्तान भेजने का फैसला किया? क्या हमें उन्हें लाइन में खड़ा करके गोली मार देनी चाहिए थी या हमें उनके साथ मिलकर उन्हें फिर से बसाने की कोशिश करनी चाहिए थी? उन्होंने

कहा ?कि हमारी एक बैठक हुई थी और विचार यह था कि पुनर्वास, सीमा फाटा (कबायली) क्षेत्र के सभी नेताओं की सहमति से सुरक्षा बलों और टीटीपी के साथ मिलकर किया जाना था लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ, क्योंकि हमारी सरकार चली गई और एक बार जब हमारी सरकार हट गई, तो नई सरकार ने इस मुद्दे से नजरें हटा लीं। उन्होंने इसका दोष पाकिस्तान के सुरक्षा बलों की लापरवाही पर मढ़ा, जिसने प्रतिबंधित संगठन को क्षेत्र में फलने-फूलने दिया।

यूएस और चीन में छिड़ा बैलून वॉर, ड्रैगन का आरोप- 10 से ज्यादा बार जासूसी गुब्बारे उसकी हवाई सीमा में घुसे

न्यूर्याक (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा अपने हवाई क्षेत्र में उड़ रहे एक चीनी 'जासूस' गुब्बारे को मार गिराए जाने के कुछ दिनों बाद चीन ने कहा कि जनवरी 2022 की शुरुआत के बाद से अमेरिकी उच्च ऊंचाई वाले गुब्बारे 10 से अधिक बार बिना अनुमति के उसके हवाई क्षेत्र में उड़े हैं। इस महीने की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दक्षिण कैरोलिना के तट पर एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराए जाने के बाद चीन का यह दावा आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने दावा किया है कि अमेरिका ने जनवरी, 2022 से अब तक 10 से अधिक बार उसके हवाई क्षेत्र में जासूसी गुब्बारे भेजे हैं।

हालाँकि, बीजिंग ने दावा किया कि गुब्बारा एक नागरिक अनुसंधान शिल्प था और उसने वाशिंगटन

पर अति-प्रतिक्रिया करने का आरोप लगाया। बीजिंग में एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, 'जनवरी 2022 की शुरुआत से 10 से अधिक बार अमेरिकी उच्च ऊंचाई वाले गुब्बारे बिना अनुमति के अपने हवाई क्षेत्र में उड़ चुके हैं। यह पूछे जाने पर कि चीन ने उड़ानों पर कैसी प्रतिक्रिया दी, वांग ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर चीन की प्रतिक्रिया जिम्मेदार और पेशेवर है।

अमेरिका ने चीनी गुब्बारे को मार गिराया

पिछले हफ्ते पेंटागन ने अमेरिका में मोंटाना पर एक उच्च ऊंचाई वाले चीनी निगरानी गुब्बारे को मँडराते हुए देखा गया। मालमस्ट्रॉम वायु सेना बेस में तीन परमाणु मिसाइल लॉन्च सुविधाओं में से एक है। गुब्बारे को लेकर बीजिंग ने दावा किया था कि वह एक मौसम अवलोकन हवाई जहाज था और अपने रास्ते से भटक गया था। जबकि अमेरिका ने इसे संप्रभुता का ÷स्पष्ट उल्लंघन÷ माना।गुब्बारा लगभग 200 फीट लंबा था और इसमें इलेक्ट्रॉनिक पेलोड था। अंततः 4 फरवरी को दक्षिण कैरोलिना के तट पर एक अमेरिकी लड़ाकू जेट द्वारा इसे मार गिराया गया। इसके बाद सेना ने डेटा एकत्र करने के लिए गुब्बारे के मलबे से जितने संभव हो उतने हिस्से निकाले।

2035 तक परमाणु हथियारों की संख्या तीन गुना बढ़ाएगा चीन

–अमेरिका और ताइवान के साथ तनाव बढ़ने की वजह से चीन ने बनाई नई रणनीति

टोकियो (एजेंसी)। अमेरिका और ताइवान के साथ तनाव बढ़ने की उम्मीद के बीच चीन अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने की योजना पर आगे बढ़ रहा है। माना जाता है कि वह 2035 तक परमाणु हथियार के अपने भंडार को 900 तक यानी मौजूदा संख्या से तीन गुना कर लेगा। एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी है। चीनी सूत्रों ने बताया कि पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा तैयार किए गए खाके को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और सेना प्रमुख ने मंजूरी दे दी है, जो इन दिनों वॉशिंगटन के खिलाफ बीजिंग की खिलाफत को मजबूत करने के लिए बेचैन हैं। 2022 में अमेरिका ने कहा था कि अपनी सेना के आधुनिकीकरण के लक्ष्य को पूरा करने के मकसद से बीजिंग 2035 तक अपने परमाणु हथियारों के भंडार को बढ़ाकर 1,500 करने की राह पर है। विदेशी मामलों के विशेषज्ञों ने दावा किया है कि अगर चीन अपनी सेना के आधुनिकीकरण के लक्ष्य को हासिल कर लेता है, तो परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर वह अपने 'नो फर्स्ट यूज' पॉलिसी को छोड़ सकता है। पिछले साल नवंबर में, चीनी सेना के शीर्ष निकाय ने घातक ताकतों की अहमियत के बारे में बात की, जहां उन्होंने रूस की परमाणु क्षमता का जिक्र किया था। चीनी सेना ने बैठक में यह विश्लेषण किया कि कैसे रूस की मजबूत परमाणु ताकत ने यूक्रेन के खिलाफ आक्रामक होने के बावजूद उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और मॉस्को के बीच एक युद्ध को होने से रोक दिया। चीन द्वारा रखे गए परमाणु हथियार 2027 में बढ़कर 550 हो जाने की संभावना है, जो देश की सशस्त्र बलों की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ है और 2035 में इनकी तादाद 900 तक पहुंच जाएगी। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार रूस के पास 5,977 परमाणु हथियार हैं, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका के पास 5,428 परमाणु हथियार हैं।

रूस की 5 हजार गर्भवती महिलाओं ने छोड़ा देश, सामने आई चौंकाने वाली वजह

कीव(एजेंसी)। यूक्रेन से जंग के बीच अब तक 5 हजार से ज्यादा गर्भवती महिलाएं रूस से अर्जेंटीना जा चुकी हैं। ऐसी 33 महिलाएं गुरुवार को राजधानी व्यूनस आयरिस पहुंचे। राष्ट्रीय प्रवासन एजेंसी के अनुसार नवीनतम आगमन सभी गर्भावस्था के अंतिम सप्ताह में थे। ऐसा माना जाता है कि महिलाएं अर्जेंटीना की नागरिकता प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनके बच्चे अर्जेंटीना में पैदा हों। आगमन की संख्या हाल ही में बढ़ी है। हालांकि स्थानीय मीडिया का सुझाव है कि यूक्रेन में युद्ध का परिणाम है।

माइग्रेशन एजेंसी के प्रमुख फ्लोरेंसिया कैरिग्नानो ने ला नेसिओन को बताया कि गुरुवार को एक उड़ान से अर्जेंटीना की राजधानी पहुंची 33 महिलाओं में से तीन को 'उनके दस्तावेज़ीकरण में समस्या' के कारण हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कहा कि रूसी महिलाओं ने शुरू में दावा किया था कि वे पर्यटकों के रूप में अर्जेंटीना जा रही थीं। इन मामलों में यह पाया गया कि वे पर्यटन गतिविधियों में शामिल होने के लिए यहां नहीं आए थे। उन्होंने इसे स्वयं स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि रूसी महिलाएं चाहती थीं कि उनके बच्चों के पास अर्जेंटीना की नागरिकता हो क्योंकि यह रूसी पासपोर्ट की तुलना में अधिक स्वतंत्रता देता है। कैरिग्नानो ने कहा कि समस्या यह है कि वे अर्जेंटीना आते हैं, अपने बच्चों को अर्जेंटीना के रूप में साइन अप करते हैं और छोड़ देते हैं। हमारा पासपोर्ट दुनिया भर में बहुत सुरक्षित है। यह (पासपोर्ट धारकों) को 171 देशों में बिना वीजा के प्रवेश करने की अनुमति देता है।

अर्जेंटीना पुलिस की तरफ से लगातार ऐसे गैंग पर छापे मारे जा रहे हैं, जो रूसी महिलाओं के फर्जी पासपोर्ट बनवाने और उन्हें अर्जेंटीना में दाखिल होने में मदद करते हैं। ये गैंग अपनी सर्विस के लिए 29 लाख रुपये तक की फीस वसूल करते हैं। अर्जेंटीना की माइग्रेशन एजेंसी ने बताया कि गुरुवार को उड़ान से ब्यूनस आयरस पहुंची 33 में से तीन महिलाओं को दस्तावेजों में समस्या के कारण हिरासत में ले लिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेलेन्टाइन डे पर पीएम मोदी को सोने से बना फूलों का गुलदस्ता भेंट करेंगे सूरत के विद्यार्थी

सूरत । अबकी बार का वेलेन्टाइन डे सूरत के विद्यार्थियों के लिए खास रहेगा। कल वेलेन्टाइन डे और इस दिन के लिए सूरत के विद्यार्थियों का प्रधानमंत्री नरेन्द्र से मिलने का आयोजन है। यह मुलाकात खाली हाथ नहीं होगी बल्कि सोने के गुलाबों से बना गुलदस्ता पीएम मोदी को भेंट किया जाएगा। सूरत के विद्यार्थी देश के प्रधानमंत्री को सोने का गुलदस्ता भेंट कर वेलेन्टाइन डे मनाएंगे। इस गुलदस्ते में सोने से बने 152 गुलाब हैं। सूरत के विद्यार्थियों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लिए अभूतपूर्व काम किए हैं। इसलिए अबकी बार वेलेन्टाइन डे प्रेमी या प्रेमिका के साथ नहीं बल्कि माता-पिता और देश के प्रधानमंत्री के साथ सेलिब्रेट करेंगे। सूरत के विद्यार्थियों ने रु. 2.25 लाख के सोने से बने 152 गुलाबों से पूरा गुलदस्ता सजाया है।

सबरीमाला मंदिर को मिला 3 गुना रिकार्ड चढ़ावा

– 60 दिनों में नहीं हो पाई चढ़ावे की गिनती

तिरुअनंतपुरम । केरल के भगवान अय्यप्पा सबरीमाला मंदिर में, पिछले महीने मंडल मकर विलक्कू महोत्सव संपन्न हुआ। मंदिर के कपाट भी बंद हो चुके हैं। 60 दिन बाद भी मंदिर में जो चढ़ावा आया है। उसकी गिनती पूरी नहीं हो पाई है। अभी तक जो गिनती हुई है। उसमें मंदिर को रिकॉर्ड 345.16 करोड़ रुपए का चढ़ावा मिल चुका है। 2020 में 130 करोड़ रूपए का चढ़ावा आया था। जो 2020 की तुलना में 3 गुना अधिक है। मंदिर प्रबंधकों के अनुसार नोटों की गिनती मशीनों से पूरी हो गई है। लेकिन सिक्कों की गिनती अभी तक पूरी नहीं हुई है। मंदिर के अंदर सिक्कों के तीन पहाड़ खड़े हैं। सिक्कों की गिनती करना मंदिर प्रबंधक और कर्मचारियों के लिए एक चुनौती बन चुका है। धनलक्ष्मी बैंक ने मंदिर प्रबंधन को सिक्कों को छांटने के लिए जो छलनी दी गई थी। वह भी कोई काम नहीं आ रही है। क्योंकि कई सिक्के अलग-अलग मूल्य के लेकिन एक ही आकार के हैं। जिसके कारण सिक्कों को हाथों से छांटना पड़ रहा है। मंदिर प्रबंधन ने 400 कर्मचारियों को सिक्के छाटने और उनकी गिनती करने में लगाया है।

उत्तर प्रदेश : जौनपुर में धर्म परिवर्तन के मामले 16 गिरफ्तार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद के थाना बदलापुर क्षेत्र स्थित मुरादपुर कोटिला गांव की मौर्य बस्ती में ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार कर लोगों को लालच देते हुए धर्म परिवर्तन कराने के मामले पुलिस ने 16लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में सेंट जेवियर्स स्कूल बदलापुर के प्रबंधक समेत दस लोगों को नामजद किया है तथा अन्य अज्ञात के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये लोगों में नौ नामजद हैं। देहात पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले में नामजद सेंट जेवियर्स स्कूल बदलापुर के प्रबंधक थॉमस जोसफ, दिनेश कुमार मौर्य , जय प्रकाश गौतम, समर बहादुर , दुर्गा प्रसाद , कमलेश ,रामअजोर, आशीष कुमार, संजय कुमार को गिरफ्तार किया गया है। सिंह ने बताया कि इनके अलावा सात अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने बताया कि इन सबके खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गौरतलब हैं कि पूर्व में हिंदू गौरव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बक्शा थाना क्षेत्र के औंका गांव निवासी प्रमोद कुमार शर्मा ने पुलिस को शनिवार की रात सूचना दी कि ग्राम मुरादपुर कोटिला में सेंट जेवियर्स स्कूल के प्रबंधक थॉमस जोसफ और फादर दिनेश मौर्य गांव की मौर्य बस्ती में ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार कर धर्म परिवर्तन करा रहे हैं और मौके पर कई लोग मौजूद हैं।

भारत के आम नागरिक भी तुर्की को कर रहे जरूरत का सामान दान

– तुर्की के राजदूत ने भारत का किया धन्यवाद

नई दिल्ली । तुर्की में आए भयानक भूकंप के बाद भारत सरकार लगातार मदद कर रही है। अब भारत सरकार के अलावा कई संगठन और देश के आम नागरिक भी भूकंप पीड़ितों के लिए जरूरत का सामान दान कर रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीयों द्वारा दान की गई सामग्री लेकर तुर्की एयरलाइन्स की एक फ्लाइट ने सोमवार को दिल्ली से उड़ान भरी। इस मदद को लेकर भारत में तुर्की के राजदूत ने सभी का शुक्रिया करते हुए थैंक यू इंडिया कहा है। फिरात सुनेल ने ट्वीट कर बताया कि भारतीयों द्वारा दिए गए इमरजेंसी दान को लेकर तुर्की एयरलाइन्स की एक और फ्लाइट रास्ते में है। उन्होंने बताया कि तुर्की एयरलाइन्स भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में रोज इस तरह की मदद फ्री में पहुंचा रही है। तुर्की के राजदूत फिरात सुनेल ने आगे लिखा कि तंबू, कंबल या स्लीपिंग बैग सैकड़ों हजारों भूकंप पीड़ितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

केंद्र सरकार बुंदेलखंड को अलग प्रांत बनाए : सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी यानी भाजपा के सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने सोमवार को केंद्र सरकार से बुंदेलखंड को अलग प्रांत बनाने की मांग की। चंदेल ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि बुंदेलखंड एक अलग तरह का क्षेत्र है, जहां सरकार को जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ वहां रोजगार, पर्यटन आदि पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि बुंलेदखंड के विकास के लिए इसे अलग राज्य बनाया जाना चाहिए। उत्तराखंड से भाजपा सांसद तीरथ सिंह रावत ने जोशीमठ में भूमि धंसने और घरों में दरार पड़ने की घटनाओं को लेकर केंद्र से मांग की कि पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के दूरगामी परिणाम को देखते हुए एक मास्टर प्लान बनाया जाना चाहिए। भाजपा के सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने यह भी कहा कि जोशीमठ की घटनाओं के बाद मीडिया आदि के माध्यम से ऐसा माहौल बना, मानो यह क्षेत्र खत्म हो गया, जबकि ऐसा नहीं है। रावत ने कहा कि जोशीमठ में स्थिति सामान्य की ओर लौट रही है और शासन-प्रशासन की तरफ से प्रभावितों के कल्याण के लिए एवं पुनर्वास के कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। जोशीमठ को लेकर जैसा माहौल बना, वैसी भयावह स्थिति नहीं है। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूं कि कल से बद्रीनाथ धाम के कपाट खुल रहे हैं और लोगों में डर की भावना न हो।

अयोध्या में आस्था का नया केंद्र बनीं नेपाल से लाई गई शिलाएं, दर्शन के लिए उमड़ रही भक्तों की भीड़

अयोध्या । मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में एक ओर भव्य मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है तो दूसरी ओर भगवान राम की मूर्ति निर्माण के लिए नेपाल की गंडकी नदी से दो विशालकाय शिलाएं अयोध्या के कारसेवकपुरम लाई गई हैं। ये शिलाएं इन दिनों लोगों की आस्था का केंद्र बनी हुई हैं। दरअसल, राम भक्तों के लिए अब रामसेवक पुरम देवस्थान बन गया है। जहां दूर-दराज से आ रहे श्रद्धालु पहले तो अयोध्या के मठ-मंदिर में दर्शन पूजन कर रहे हैं उसके बाद रामसेवक पुरम पहुंचकर अहिल्या रूपी पाषाण का दर्शन भी कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन करने में कोई असुविधा नहीं हो इसको लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं और श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने विशालकाय शिला के चारों तरफ बैरिकेडिंग कर दी है। वहीं यहां आने वाले प्रभु श्रीराम के भक्तों को प्रसाद भी वितरित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही साथ भक्तों की श्रद्धा और चढ़ावे को देखते हुए शिला के पास एक दानपात्र रखा गया है ताकि राम लला की मूर्ति निर्माण के लिए जो भी श्रद्धालु अपनी श्रद्धा निवेदित करना चाहते हैं वह दान भी कर सकें।

कमलनाथ पर बरसे शिवराज सिंह चौहान, बोले- जनता झूठ को जानती है और वह भरोसा नहीं करेगी

कोलकाता (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। चुनावी साल में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी जारी है। इन सब के बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस नेता कमलनाथ पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। अपने बयान में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कमलनाथ जी से आज मैं एक सवाल पूछना चाहता हूं। कल कांग्रेस की वचन पत्र के लिए बैठक हुई। वचन पत्र नहीं, कांग्रेस का फिर से महाझूठ पत्र बन रहा है। पिछली बार जो कहा, वह किया नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब फिर एक झूठ पत्र बनाया जा रहा है। जनता इस झूठ को जानती है और वह भरोसा नहीं करेगी।

इसके साथ ही शिवराज ने कहा कि कमलनाथ जी, हम बैगा, भारिया, सहरिया बहनों को पोषण आहार अनुदान के रूप में एक हजार रुपये प्रतिमाह देते थे। आपकी सरकार आई तो आपने यह राशि देना बंद कर दिया। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि हमारी बहनों ने आपका क्या बिगाड़ा था, जो आपने यह राशि उन्हें देना बंद कर दिया? आपको बता दें कि कांग्रेस ने आगामी चुनाव के मद्देनजर कृषि ऋण माफी और कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने सहित कई वादे किए हैं। दिसंबर 2018 में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में सरकार बनाई थी लेकिन मार्च 2020 में विधायकों के पाला बदलने के कारण सत्ता खो दी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ''अधूरे'' चुनावी वादों का आरोप लगाते हुए एक-दूसरे पर सवालों की बौछार कर रहे हैं। शिवराज ने कहा कि कांग्रेस ने फिर से झूठे वादे करने शुरू कर दिए हैं। वह 15 महीने सत्ता में रही और 973 सूत्री घोषणा पत्र जारी किया था। भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने एक भी वादा पूरा नहीं किया। उस समय, भाजपा विपक्ष में थी। अब हम उन झूठे वादों के आधार पर सवाल पूछ रहे हैं क्योंकि चुनावों को देखते हुए कांग्रेस ने फिर सेझूठे वादे करने शुरू कर दिए हैं।

अब भारत किसी की निजी जागीर नहीं: कानून मंत्री रिजिजू

–पूर्व जज नजीर को राज्यपाल बनाए जाने के बाद केंद्र सरकार विपक्षियों के निशाने पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज एस अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने के बाद केंद्र सरकार विपक्षियों के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन समेत तमाम विपक्षी दल केंद्र सरकार पर न्यायपालिका के राजनीतिकरण का आरोप मढ़ रहे हैं। वहीं, एक वर्ग जस्टिस नजीर को भी निशाने पर ले रहा है। सोशल मीडिया पर दिवंगत भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली का राज्यसभा में दिए गए एक भाषण का वो अंश भी शेयर कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने जजों के रिटायरमेंट के बाद उन्हें फिर से सरकारी सिस्टम में शामिल किए जाने की आलोचना की है। कानून मंत्री ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि अब भारत किसी की निजी जागीर नहीं रह गई है। जो अब भी भारत को जागीर मानते हैं, वो नींद से जग जाएं। रिजिजू ने ट्वीट किया, राज्यपाल की नियुक्ति पर एक बार फिर से पूरा गिरोह जोरों पर है। उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि अब वे भारत को अपनी निजी जागीर जैसे नहीं चला सकते। अब भारत को संविधान के प्रावधानों और लोगों की इच्छा के अनुसार चलाया जाएगा। मंत्री ने भले ही किसी का नाम नहीं लिया हो, लेकिन उनका इशारा कांग्रेस पार्टी और उसके समर्थक समूहों की तरफ ही है।

इन सब गतिविधियों के बीच बीजेपी भी विरोधियों और खासकर कांग्रेस पार्टी को पूर्व के उदाहरणों से जवाब दे रही है। अब केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने आलोचकों को मोदी विरोधी गिरोह बताते हुए कहा है कि मौका मिलते ही पूरा इको सिस्टम फिर से फुल एक्टिव हो गया है।

कांग्रेस पार्टी ने पूर्व जज नजीर को राज्यपाल बनाए जाने को न्यायपालिका की विश्वसनीयता में गिरावट और उसी स्वतंत्रता को बड़ा खतरा करार दिया। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं है, क्योंकि मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानता हूं, लेकिन सिद्धांत रूप में हम सेवानिवृत्ति के बाद न्यायाधीशों की नियुक्ति के खिलाफ हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता एवं राज्यसभा सदस्य एए रहीम ने भी जस्टिस नजीर की नियुक्त को भारतीय लोकतंत्र के लिए एक धब्बा बताया। रहीम ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर को राज्यपाल के तौर पर नियुक्त करने का केंद्र सरकार का फैसला देश के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है। उन्हें (नजीर को) इस पेशकश को मानने से इनकार कर देना चाहिए। देश का अपनी न्याय प्रणाली में भरोसा नहीं खोना चाहिए। मोदी सरकार के इस तरह के फैसले भारतीय लोकतंत्र पर एक धब्बा है। वहीं एआईएमआईएम के प्रवक्ता सैयद असीम वकार ने भी इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना की।

चार जजों से इतर अपनी राय रखकर मैंने देशहित को सर्वोपरि समझा: नजीर

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस अब्दुल एस नजीर का कहना है कि भारतीय न्यायपालिका की स्थिति आज उतनी गंभीर नहीं है जितनी पहले हुआ करती थी। हालांकि गलत सूचना के कारण गलत धारणा व्यक्त की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस नजीर ने सुप्रीम कोर्ट में कई ऐतिहासिक फैसले में शमिल रहे। इनमें तीन तलाक, अयोध्या राम जन्मभूमि- बाबरी मस्जिद विवाद, निजता का अधिकार और नोटबंदी जैसे मामले शामिल हैं। अब्दुल नजीर ने कहा भी था कि अयोध्या विवाद में सर्वोच्च न्यायालय की पीठ के बाकी चार जजों से इतर अपनी राय रखकर अपने समुदाय का हीरो बन सकता था, लेकिन मैंने देशहित को सर्वोपरि समझा। जस्टिस नजीर उस पीठ का भी हिस्सा रहे जिसने 8 नवंबर 2016 को देश में नोटबंदी की घोषणा को संवैधानिक करार दिया। जस्टिस नजीर का जन्म 5 जनवरी 1958 को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलुवई में हुआ था। जस्टिस नजीर ने कर्नाटक हाईकोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस की और 12 मई 2003 को इसके अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुए। वो 24 सितंबर 2004 को स्थायी न्यायाधीश बने और 17 फरवरी 2017 को सुप्रीम कोर्ट आ गए। पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई के बाद सुप्रीम कोर्ट के किसी रिटायर्ट जज की यह दूसरी नियुक्ति है। जस्टिस नजीर इसी वर्ष 4 जनवरी को रिटायर हुए।

नहीं नीलाम हो सके भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी के फ्लैट

–घटी दरों पर फिर से बैंक करेगी नीलामी

मुंबई (एजेंसी)। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की करीब 18 करोड़ रुपए की दो संपत्तियों की तीन फरवरी को पुणे में हुई नीलामी बेकार साबित हुई। नीरव की संपत्तियों को खरीदने के लिए कोई सामने नहीं आया। अब ऋण वसूली न्यायाधिकरण-प्रथम (डीआरटी-1), मुंबई के वसूली अधिकारी आशु कुमार ने गुरुवार को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनएबी) द्वारा दायर एक मामले में मोदी और अन्य के स्वामित्व वाले दो फ्लैटों की कम दर पर फिर से नीलामी का आदेश दिया। इन संपत्तियों की ई-नीलामी को 20 मार्च 2023 तक पीएनबी के लगभग 11 हजार 777 करोड़ रुपए के बकाये का एक हिस्सा वसूल करने का एक और प्रयास माना जा रहा है। फरवरी 2023 तक पीएनबी का बकाया 11 हजार 653 करोड़ रुपये हो जाएगा, जो 20 मार्च तक 124 करोड़ रुपये और बढ़ जाएगा। । नीरव मोदी की ई-नीलामी की जाने वाली संपत्तियों में एफ-1 बिल्डिंग पर दो निकटवर्ती फ्लैट (संख्या 1601 और 1602), हडपसर, पुणे में योपुणे हाउसिंग स्कीम की 16वीं मंजिल शामिल है। पीएनबी ने दो फ्लैटों के लिए क्रमशः 8.10 करोड़ रुपये (8.99 करोड़ रुपये से कम) और 8.04 करोड़ रुपये (8.93 करोड़ रुपये से कम) का आरक्षित मूल्य निर्धारित किया है, जो 20 मार्च को ई-हैमर के तहत किया जाएगा। डीआरटी-प्रथम ने 9 फरवरी को डिफॉल्टर कंपनियों स्टेलर डायमंड्स, सोलर एक्सपोर्ट्स, डायमंड आर यूएस, एएनएम इंटरप्राइजेजप्राइवेट लिमिटेड और एनडीएम एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी किया है।

इन कंपनियों के अलावा नामित अन्य लोगों में उनके प्रमोटर, मालिक, निदेशक जैसे नीरव डी. मोदी, अमी नीरव मोदी, रोहिन एन. मोदी, अनन्या एन. मोदी, अपशा एन. मोदी, पूर्वी मयंक मेहता, दीपक के. मोदी, नीशाल डी शामिल हैं। मोदी और नेहल डी. मोदी, जिन्हें पीएनबी के 7 हजार 29 करोड़ रुपये के बकायादारों के रूप में प्रमाणित देनदारों के रूप में नोटिस जारी किए गए हैं। ई-नीलामी से पीएनबी और लगभग 15 अन्य बैंकों के कंसोर्टियम को अपने भारी बकाया का एक छोटा सा हिस्सा वसूल करने में मदद मिल सकती है, जो पिछले पांच वर्षों से बकाया है। जब फरवरी 2018 को नीरव मोदी पत्नी अमी और अन्य के साथ भाग गए। 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित घोटाले पर पीएनबी की शिकायत के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जनवरी 2018 में पहला अपराध दर्ज किया और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटीडी) जैसे अन्य लोगों ने भी तस्वीर दर्ज की।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को बड़ी राहत, जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों के परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

मुंबई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसी के साथ चुनाव का रास्ता भी साफ हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के लिए एक परिसीमन आयोग स्थापित करने और परिसीमन अभ्यास करने के लिए केंद्र की शक्तियों को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट करता है कि निर्णय का परिसीमन अधिनियम की वैधता और एससी के समक्ष लंबित अनुच्छेद 370 याचिकाओं के मुद्दे पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

दो कश्मीर निवासियों अब्दुल गनी खान और मुहम्मद अयूब मट्टो द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस संजय किशन कौल और एएस ओका की पीठ ने कहा कि इसने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की वैधता पर फैसला नहीं सुनाया है, जो कि संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बीच सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित है। परिसीमन समय के साथ जनसंख्या में परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक विधानसभा या लोकसभा सीट की सीमाओं को फिर से परिभाषित करने का कार्य है। केंद्र द्वारा गठित परिसीमन आयोग ने पिछले साल मई में जम्मू और कश्मीर में परिसीमन के लिए अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें सात अतिरिक्त निर्वाचन क्षेत्रों की सिफारिश की गई थी।

भरोसे के लिये लोगों को सुनना जरूरी, अधिकारों को बुलडोजर के नीचे कुचलना नहीं : प्रियंका गांधी वाद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शांति और विश्वास के लिए आम लोगों की बात सुनना जरूरी है न कि 'बुलडोजर के नीचे उनके अधिकारों को कुचलना'। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसे प्रमुख राजनीतिक दलों ने इस अभियान के खिलाफ अपनी चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल समाप्त करने की मांग की है।

राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी के सभी उपायुक्तों को सात जनवरी से जम्मू-कश्मीर में सरकारी जमीन से 100 प्रतिशत अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करने के निर्देश के बाद अब तक जम्मू-कश्मीर में 10 लाख कनाल (एक कनाल = 605 वर्ग गज) से अधिक भूमि को पुनः कब्जे में लिया जा चुका है। हिंदी में किए गए एक ट्वीट में प्रियंका ने आरोप लगाया कि लद्दाख में अपने संवैधानिक अधिकारों की बहाली की मांग कर रहे लोगों के साथ ज्यादती की जा रही है।

कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, 'कश्मीर में आम जनों की सुनवाई किए बिना उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'देश लोगों से बनता है। शांति व भरोसे के लिए आम लोगों की बात सुनना जरूरी है, न कि उनके अधिकारों को बुलडोजर तले कुचलना।' उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बेदखली अभियान पर मीडिया में आई खबरों के स्क्रीन शॉट भी ट्वीट के साथ संलग्न किए।

रामदेव आतंकी और धीरेंद्र शास्त्री बहुरूपिया: गुलाम रसूल बलियावी

– बिहार के सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के नेता हैं मौलाना गुलाम रसूल बलियावी

नवादा (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के नेता मौलाना गुलाम रसूल बलियावी ने योगगुरु बाबा रामदेव के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से संबंध होने की बात कही है तो बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री को बहुरूपिया करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से भारतीय फौज में मुस्लिमों की संख्या बढ़ाने की भी मांग की है।

जेडीयू नेता गुलाम रसूल बलियावी ने नवादा में एक कार्यक्रम के दौरान रामदेव और धीरेंद्र शास्त्री पर जमकर बरसे। उन्होंने बाबा रामदेव को विदेशी बताया और कहा कि उनकी संपत्ति की जांच होनी चाहिए। उन्होंने मंच से कहा कि रामदेव भारतीय नहीं हैं। उनका लश्कर-ए-तैयबा या जैश-ए-मोहम्मद से संबंध है। इसके बाद बलियावी ने रामदेव को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का एजेंट भी बता दिया। रामदेव भारत कब आए, कैसे आए और उन्हें इतना लोन कैसे मिल गया, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री को बलियावी ने बहुरूपिया करार दिया। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री कौन हैं क्या है, हमें पता नहीं। इस तरह के बहरूपियों की हमारे देश में कोई जगह नहीं है। कपड़े और मेकअप से कोई देश को गुमराह नहीं कर सकता है। पिछले दिनों गुलाम रसूल बलियावी ने झारखंड के हजारीबाग में एक सभा के दौरान भड़काऊ बयान दिया था। उन्होंने बीजेपी से निष्कासित नूपुर शर्मा पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि अगर किसी ने उनके आका की इज्जत पर हाथ डाला तो वे शहरों को कर्बला बना देंगे।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने स्वामी प्रसाद मौर्य के काफिले को काला कपड़ा दिखाया

वाराणसी (एजेंसी)। श्रीरामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी से नाराज भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने रविवार को वाराणसी के टेंगरा मोड़ पर नारेबाजी करते हुए समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के काफिले के सामने काला कपड़ा दिखा कर अपना विरोध जताया। रामनगर पुलिस ने बताया कि मौर्य रविवार को वाराणसी से सोनभद्र जाने के लिए निकले थे, अभी उनका काफिला टेंगरा मोड़ पर पहुंचा ही था कि भाजपा कार्यकर्ता 'जय श्री राम' और 'हर-हर महादेव' का उद्घोष करते हुए सामने आ गए और काला कपड़ा दिखा कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने सपा नेता के कार पर काला कपड़ा भी फेंका।

पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को रोक कर स्वामी प्रसाद मौर्य के काफिले को तत्काल सोनभद्र के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। विरोध प्रदर्शन करने वाले भाजपा कार्यकर्ता दीपक ने कहा कि स्वामी प्रसाद को श्रीरामचरितमानस पर अपने विवादित बयान के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए और यदि वे माफी नहीं मांगते हैं तो आगे भी उनका विरोध किया जाएगा और उन्हें काशी नहीं आने दिया जाएगा। इससे पहले सपा नेता मौर्य ने कहा था, ''धर्म का वास्तविक अर्थ मानवता के कल्याण और उसकी मजबूती से है।

अगर श्रीरामचरितमानस की किन्ही पंक्तियों के कारण समाज के एक वर्ग का जाति, वर्ण और वर्ग के आधार पर अपमान होता हो तो यह निश्चित रूप से धर्म नहीं बल्कि अधर्म है। रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों (दोहों) में कुछ जातियों जैसे कि तेली और कुम्हार का नाम लिया गया है। मौर्य ने कहा था, इन जातियों के लाखों लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं। इसी तरह से रामचरितमानस की एक चौपाई यह कहती है कि महिलाओं को दंड दिया जाना चाहिए। यह उनकी (महिलाओं) भावनाओं को आहत करने वाली बात है जो हमारे समाज का आधा हिस्सा हैं।

अगर तुलसीदास की रामचरितमानस पर वाद-विवाद करना किसी धर्म का अपमान है, तो धार्मिक नेताओं को अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों तथा महिलाओं की चिंता क्यों नहीं होती। क्या यह वर्ग हिंदू नहीं है? उन्होंने कहा था, ''रामचरितमानस के आपत्तिजनक हिस्सों को प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिये, जिनसे जाति वर्ग और वर्ण के आधार पर समाज के एक हिस्से का अपमान होता है। मौर्य के इसी बयान पर भाजपा कार्यकर्ता नाराज हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेलेन्टाइन डे पर पीएम मोदी को सोने से बना फूलों का गुलदस्ता भेंट करेंगे सूरत के विद्यार्थी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, अबकी बार का वेलेन्टाइन डे सूरत के विद्यार्थियों के लिए खास रहेगा। कल वेलेन्टाइन डे और इस दिन के लिए सूरत के विद्यार्थियों का प्रधानमंत्री नरेन्द्र से मिलने का आयोजन है। यह मुलाकात खाली हाथ नहीं होगी बल्कि सोने के गुलाबों से बना गुलदस्ता पीएम मोदी को भेंट किया जाएगा। सूरत के विद्यार्थी देश के प्रधानमंत्री को सोने का गुलदस्ता भेंट कर वेलेन्टाइन डे मनाएंगे। इस गुलदस्ते में सोने से बने 152 गुलाब हैं। सूरत के विद्यार्थियों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लिए अभूतपूर्व काम किए हैं। इसलिए अबकी बार वेलेन्टाइन डे प्रेमी या प्रेमिका के साथ नहीं बल्कि माता-पिता और देश के प्रधानमंत्री के साथ सेलिब्रेट करेंगे। सूरत के विद्यार्थियों ने रु 2.25 लाख के सोने से बने 152 गुलाबों से पूरा गुलदस्ता सजाया है।

झोलाछाप डॉक्टर ने 2 महीने की बच्ची को लोहे की गर्म छड़ से दागा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पोरबंदर,गुजरात के पोरबंदर जिले के एक झोलाछाप डॉक्टर ने, खांसी का इलाज करने २ माह की बच्ची को लोहे की गर्म छड़ से दाग दिया। हालत बिगड़ने पर बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस उपाधीक्षक सुरजीत महेदू ने बताया,झोलाछाप डॉक्टर को रविवार को गिरफ्तार किया गया है। झोलाछाप डॉक्टर और बच्ची की मां के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरूकर दी है।

उन्होंने कहा बच्ची को एक सरकारी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती किया गया है। उसकी हालत स्थिर है।

पुलिस अधिकारी के अनुसार बच्ची को एक सप्ताह से खांसी की शिकायत थी। उसके माता-पिता ने घरेलू इलाज की कोशिश की। राहत नहीं मिलने पर बच्ची की मां, उसे देवराजभाई कटारा नामक झोलाछाप डॉक्टर के पास ले गई। जहां डॉक्टर ने बच्ची के सीने और पेट पर लोहे की गर्म छड़ से दागा।मामले का खुलासा तब हुआ, जब बच्ची को राहत नहीं मिली। बच्ची के माता-पिता इलाज के लिए पोरबंदर के भवसिंहजी अस्पताल ले गए।

बच्ची के पिता की शिकायत पर झोलाछाप डॉक्टर और बच्ची की मां के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 324और अन्य प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

अस्पताल के डॉक्टर ने बताया, बच्ची को सांस लेने में परेशानी होने पर 9 फरवरी को अस्पताल लाया गया था। उसे आईसीयू में ऑक्सीजन के सहारे रखा गया है। अभी बच्ची की हालत स्थिर है।

नोटिस के बावजूद पूर्व विधायक के आवास खाली ना करने पर ताला तोड़कर लिया कब्जा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, गुजरात चुनाव खत्म होने का करीब दो महीने का समय बीत चुका है, इसके बावजूद कई विधायक सरकारी आवास खाली नहीं कर रहे। आज एक पूर्व विधायक आवास का ताला तोड़ उसका कब्जा लिया गया। पूर्व विधायक को इसकी जानकारी देने के बाद यह कार्यवाही की गई। विधानसभा ने 7 पूर्व विधायकों को सरकारी आवास खाली करने का नोटिस जारी किया था। ठासरा के विधायक कांति परमार के विधायक आवास खाली ना करने पर उन्हें सूचना देने के बाद सरकारी आवास का ताला तोड़ उसका कब्जा लिया गया है। मांगरोल के पूर्व विधायक बाबु वाजा, कालोल के सुमन चौहाण, रापर के संतोकबेन आरेथिया, माणसा के सुरेश पटेल, भरूच के दुष्यंत पटेल, खंभालिया के विक्रम माडम, अमराईवाडी के जगदीश पटेल, दरियापुर के ग्यासुद्दीन शेख, नारणपुरा के कौशिक पटेल, सिद्धपुर के चंदनजी ठाकोर, महुवा के राघवजी मकवाणा, कपड़वंज के कालू डाभी, आणंद कांतिभाई सोढा, बालासिनोर के अजीतसिंह चौहाण, खेडब्रह्मा के अश्विन कोटवाल, विसावदर के हर्षद रिबडिया और भावनगर ग्रामीण के पुरुषोत्तम सोलंकी भी विधायक आवास खाली नहीं कर रहे। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सरकार के विसर्जन के डेढ़ साल का समय बीत जाने के बावजूद भाजपा के 16 विधायकों का सरकारी आवास से मोह नहीं छूट रहा। जिसके चलते भूपेन्द्र पटेल की पुरानी सरकार के 7 मंत्रियों ने फिर बंगले की मांग की है। गुजरात में सरकार बदलने के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, पूर्व ऊर्जा मंत्री सौरभ पटेल और पूर्व गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने गत दिसंबर में भूपेन्द्र पटेल की नई सरकार के गठन के बाद सरकारी बंगले खाली कर उसकी चाबी मार्ग मकान विभाग को सौंप दी थी। लेकिन रूपाणी सरकार के 16 जितने पूर्व मंत्रियों ने अब तक सरकारी बंगले खाली नहीं किए।

मध्य प्रदेश से गुजरात लाई जा रही 47.48 लाख की शराब पकड़ी गई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दाहोद,गुजरात में संपूर्ण शराबबंदी के बीच आए दिन बड़ी मात्रा में देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती है। शराब माफिया तस्करी के लिए नित नई तरकीब आजमाते हैं। कभी सब्जी की आड़ में तो कभी अनाज की आड़ में शराब की तस्करी की जाती है। शराब पकड़ने में पुलिस को कभी सफलता मिलती है तो कभी हाथ मलती रह जाती है। ऐसी ही एक घटना दाहोद में सामने आई है। दाहोद लोकल क्राइम ब्रांच ने रु 47.48 लाख कीमत की शराब पकड़ी है। एक ट्रक के जरिए शराब मध्य प्रदेश से गुजरात लाई जा रही थी। इसकी भनक लगते ही दाहोद एलसीबी ने खंगेला बोर्डर के निकट से रु 47.48 लाख की शराब और ट्रक समेत रु 77.53 लाख माल-सामान जब्त कर लिया। ट्रक में सफेद पाउडर की बोरियों के बीच शराब छिपाई गई थी।